LOVE STORY ENDING 376

JIGNESH CHAUHAN

BlueRose ONE.com
Stories Matter
NewDelhi • London

BLUEROSE PUBLISHERS
India | U.K.

Copyright © Jignesh Chauhan 2025

All rights reserved by author. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior permission of the author. Although every precaution has been taken to verify the accuracy of the information contained herein, the publisher assume no responsibility for any errors or omissions. No liability is assumed for damages that may result from the use of information contained within.

BlueRose Publishers takes no responsibility for any damages, losses, or liabilities that may arise from the use or misuse of the information, products, or services provided in this publication.

For permissions requests or inquiries regarding this publication, please contact:

BLUEROSE PUBLISHERS
www.BlueRoseONE.com
info@bluerosepublishers.com
+91 8882 898 898
+4407342408967

ISBN: 978-93-7018-477-0

Cover design: Daksh
Typesetting: Tanya Raj Upadhyay

First Edition: April 2025

दोस्तों, मैं आज आपको मेरे एक दोस्त की नहीं, सभी लड़कों की Love Story सुनाता हूँ। इस Love Story का अंजाम और इस Love Story में कितना दर्द हैं, यह भी बताता हूँ। दोस्तों मैं आपको मेरे उस दोस्त के नाम बताता हूँ। राहुल, संजय, अजय, जिगर, राज, महेश, कार्तिक, पार्थ, विजय, छोटू मोहीन, अली, अल्ताफ, मोहम्मद, प्रिन्स... दोस्तों, नाम तो बहुत हैं और शायद तुम्हारे नाम से भी होगा कोई। दोस्तों, ये Love Story किसी एक नाम की नहीं और न ही सिर्फ बीते हुए कल की है। ये Love Story आज, अभी की है... और आने वाले समय की है... और बीते हुए कल की है, जो हर रोज, बार-बार दोहराई जायेगी। लेकिन दोस्तों, मैं चाहता हूँ कि ये Love Story फिर कभी न दोहराई जाये क्योंकि मैं नहीं चाहता कि कोई बेटा अपने माता-पिता से, कोई भाई अपनी बहन से, कोई दोस्त अपने दोस्तों से, अपने घर-परिवार

से, इस खुबसूरत कलरफुल दुनिया से, अपने स्वर्ग जैसे घर से दूर हो जाऐ। इसीलिए दोस्तों, आपको ये Love story सुनाना चाहता हूँ दोस्तों, मेरे लिए न सही लेकिन अपने भले के लिये ये Love Story अच्छे से पढ़कर अपने दिलो-दिमाग से समझ लेना।

दोस्तों, ये कोई हीर-रांझे की कहानी नहीं और न ही लैला-मजनूं की Love Story है और न ही काल्पनिक है। ये Love Story आप सबकी है, हर उस लड़के की है जिसने भी किसी लड़की को स्कूल-कॉलेज, शहर-गाँव में, किसी की शादी में या कहीं पर किसी भी सुंदर लड़की को देखकर उससे प्यार हो गया हो और उन सबकी, जिन लड़कों ने 21 साल की कम उम्र एज वाली लड़कियों से प्यार-मोहब्बत की होगी और उन सब लड़कों की, जो 21 साल की कम उम्र एज वाली लड़की से प्यार-मोहब्बत करेंगे। दोस्तों, आप सोच रहे होंगे कि प्यार-मोहब्बत में और इस Love Story में उम्र क्या मायने रखती है। प्यार तो कभी भी, किसी भी उम्र में हो सकता है, तो फिर 21 साल के नीचे की उम्र की ही सिर्फ Love Story क्यों! दोस्तों, तुम मेरी ये लिखी हुई Love story को पढ़ते रहो, अपने आप तुमको पता चल जायेगा।

मेरा एक दोस्त था और मेरे उस दोस्त का नाम राहुल है। हमने एक साथ अपना बचपन बिताया है, एक ही साथ पढ़े-लिखे और जवान भी एक साथ हुए हैं। राहुल को प्रिया नाम की एक लड़की से प्यार हो गया था क्योंकि प्रिया खूबसूरत ही इतनी थी कि कोई भी

लड़का पहली नज़र में ही अपने होश खो बैठे, लेकिन राहुल बस प्रिया की सुंदरता पर ही नहीं मरता था, उसके चाँद के टुकड़े जैसा चहेरा, समुद्र जैसी आँखें, गुलाब की पंखुड़ियों जैसे होंठ, मानो आसमान से परी उतरी हो धरती पर। राहुल, प्रिया को देखकर पूरी तरह से अपनी सुध-बुध खो बैठा था। राहुल ने मन ही मन में ये सोच लिया था कि वो प्रिया को अपना बनायेगा, शादी करके अपने घर पत्नी बनाकर लायेगा। फिर राहुल ने प्रिया के आगे-पीछे घूमना शुरु कर दिया। प्रिया कौन-से स्कूल में पढ़ती है, कहाँ रहती है। राहुल वो सब कुछ करने लगा, जिससे वो प्रिया के पास जा सके । फिर थोड़े दिनों बाद राहुल को पता चला कि प्रिया 10वीं क्लास में पढ़ती है। राहुल ने पहले प्रिया के दोस्तों से दोस्ती की और प्रिया का भरोसा जीता। फिर राहुल ने प्रिया से दोस्ती की।

दोस्तों, एक लड़के और एक लड़की के बीच की दोस्ती कितनी गहेरी होती है, ये तो आप सबको पता ही होगा। राहुल, प्रिया को इम्प्रेस करने के लिए वो सब करता था, जो एक लड़का एक लड़की को इम्प्रेस करने के लिए कर सके। एक दिन वो दिन भी आया, जिसका राहुल बेसब्री से इन्तज़ार कर रहा था। राहुल और प्रिया किसी दोस्त की शादी में गये थे। राहुल को भी ऐसे मौके की तलाश थी कि कब प्रिया मुझे अकेले में, अच्छे मौसम में मिले। दोस्तों, शादी से अच्छा मौसम और क्या हो सकता है। राहुल ने प्रिया के पास जाकर कहा कि आज तुम बहुत सुंदर लग रही हो। प्रिया ने भी मुस्कुराते हुए अपनी पलकें झुकाईं। प्यार करने वाले इन

झुकती हुई पलकों की जुबान समझ जायेंगे। मैं शायद आपको समझा न पाऊँ। राहुल ने प्रिया को बातों ही बातों में कहा कि प्रिया मुझे तुमसे अकेले में कुछ पल बात करनी है, क्या तुम मेरे साथ चलोगी? प्रिया भी शायद इसी का इन्तज़ार कर रही थी। प्रिया ने कहा – चलो। राहुल, प्रिया को ऐसी जगह पर ले गया जहाँ उन दोनों के अलावा और कोई भी न हो। उन दोनो की बातें उनके अलावा और कोई भी सुन न सके। राहुल ने प्रिया का हाथ अपने हाथ में लेकर कहा कि प्रिया, क्या तुम मेरी गर्लफ्रेंड बनोगी? प्रिया अपनी आंखों में शर्म-हया छुपाकर बोली - सिर्फ गर्लफ्रेंड बनाओगे? राहुल समझ गया। राहुल ने कहा कि मैं तो तुम्हारे साथ शादी करके तुम्हें जिदंगी भर अपने पास रखना चाहता हूँ लेकिन पहले गर्लफ्रेंड, फिर बाद में अपनी दुल्हन बनाऊँगा, बस तुम एक बार हाँ कह दो। प्रिया थोड़े गुस्से में आकर बोली – बेवकूफ़! मेरी तो कब से हाँ है। इतना कहकर वो राहुल के गले से लिपट गई।

राहुल बहुत खुश था दोस्तों, एक लड़की जब एक लड़के को हां कहती है उसके बाद क्या होता है, ये तो आप बहुत अच्छी तरहा से जानते होंगे राहुल और प्रिया दोनों एक साथ घुमने फिरने लगे और वो सब करने लगे जो एक गर्लफ्रेंड-बाइफ्रेंड करते हैं । प्यार करना एक दूसरे पे हक जताना एक दूसरे से लढना झगड़ना रुठना मनाना रोमांस और फोन पे सुप सुप के अपने घर परिवार वालों से राहुल के साथ देर रात तक बातें करना और अकेले में मिलना प्यार करना । राहुल और प्रिया ने अपनी अलग ही एक

सपनों की दुनिया बना ली थी। ऐसी कसमे वादे किये एक दूसरे से के चाहे कुछ भी हो जाये हमारे प्यार में कितनी भी मुश्किलें आ जाये, हम एक दूसरे से अलग नहीं होगें। दोस्तों, हमारी जिदंगी में सब कुछ हमारी प्लानिंग के मुताबिक नहीं होता। दोस्तों, इसी का नाम तो जिदंगी है और एक दिन राहुल और प्रिया साथ घुमने गये थे तब प्रिया के घर परिवार में से किसी ने प्रिया को राहुल के साथ घुमते देख लिया।

शाम को जब प्रिया अपने घर आई तो सब लाल पीले थे जैसे प्रिया घर में आई वैसे ही जंगल में जंगली जानवरों का झुंड एक हिरन पे टुट पड़ता है, वेसे ही प्रिया के घर परिवार वाले प्रिया के ऊपर टूट पडे, हजारों सवाल ताने गाली गलौच जान से मारने की धमकी से लेकर मानसिक टोर्चर और दूसरे दिन प्रिया के घर परिवार वालों ने राहुल के घर जा के धमकाया कि हमारी बेटी से दूर रहना। राहुल के घर परिवार वालों ने भी राहुल को बहुत समझाया लेकिन दोस्तों, प्यार करने वाले तो कहा किसी की बात सुनते है और ना ही कभी किसी की बात मानेंगे। प्रिया का भी स्कूल बंद करवा दिया और फोन और दोस्तों से दूर रहने के लिए कह दिया। दोस्तों, जो लोग इस तरह से बीच रास्ते में ही अलग हो गये होगे उन्हें ही इस दर्द का अहसास होगा। दोस्तों, तुममें से किसी का भी ब्रेक्प बीच रास्ते में ही हो गया हो तो और तुम अपने प्यार से अलग होने से दुखी हो इसे तुम अपनी बदकिस्मत मानते हो तो आप इसे

आगे तक पढ़ना क्योंकि तुम बदकिस्मत हो या फिर क़िस्मत वाले अपने आप ही पता चल जायेगा।

राहुल और प्रिया को मिले चार पांच हफ्ते बीत गये थे और एक दिन प्रिया ने राहुल को किसी के फोन से कॉल करके बात की। पहले तो वो दोनों रोने लगे फिर खुद को संभालते हुये दोनों ने मिलने का प्लान बनाया और एक दिन राहुल और प्रिया मिले। दोनों एक दूसरे से लिपट के रोने लगे और बहुत खुश भी हुये बहुत दिनों बाद मिले थे एक दूसरे से और अपने घर परिवार से छुप छुप के मिलने लगे थे लेकिन इन खुशीयो को किसी की नज़र लग गई और फिर से वही घर परिवार समाज के लोगों के नियमों ने फिर से उन्हें अलग कर दिया लेकिन इस बार तो बहुत से झगड़े भी हुये थे। राहुल को जान से मारने की धमकी भी दी थी प्रिया के घर परिवार वालों से। राहुल के घर परिवार वालों ने अपनी तरफ़ से पूरी कोशिश की के राहुल और प्रिया की शादी हो जाये लेकिन नाकामयाब रहे फिर राहुल को उसके घर परिवार वालों ने समझाया के राहुल तुम अपने फ्यूचर की चिंता करो, अपनी जिंदगी में अपने करियर को बनाने में ध्यान दो। बेटा हमारे बुढापे का एकलोता सहारा सिर्फ तुम हो, हमारे घर परिवार के चिराग हो, अगर तुम्हें कुछ हो गया तो हमारा क्या होगा और हमारे घर परिवार में रोशनी कौन करेगा राहुल हमारे बारे में ना सही लेकिन अपने बारे में जरूर सोच लेना..........

दोस्तों, वो कहते हैं ना के प्यार अंधा होता है, वैसे ही राहुल के आखं कान मुंह पे और सोचं पे प्रिया के प्यार का परदा था उधर प्रिया के घर परिवार वाले भी प्रिया को बहुत समझाते थे कि तुम अपनी जिंदगी मत बिगाड़ो लेकिन प्रिया और राहुल दोनों में से कोई सोचने समझने के लिए तैयार नहीं था और एक दिन राहुल और प्रिया ने एक दूसरे से कोन्टेक्ट किया और मिले । प्रिया ने राहुल से लिपट के रोते हुए कहा कि मुझे अपने साथ कही ले चलो, मैं तुम्हारे बिना नहीं जी सकती । राहुल ने कहा कि हम भाग नहीं सकते मेरे घर परिवार वालों का क्या होगा । मैं उनकी उम्मीद हूँ । प्रिया गुस्से में आके बोली ये सब तुम्हें मुझसे प्यार करने से पहले सोचना चाहिए था तुम भी दूसरे लड़को की तरह हो तुम्हें भी मेरा जिस्मं ही चाहिये था तुम मुझसे सच में प्यार करते तो मुझे अपने साथ ले चलते । प्रिया रोते हुए बोली अगर तुम मुझे अपने साथ नहीं ले गये तो मैं जहर खा के अपनी जान दे दुगी ।

राहुल पूरी तरह से टूट चुका था प्रिया की बातें सुनकर राहुल ने कहा कि ठीक है जब तुम कहोगी तब तुम्हें अपने साथ ले जाऊँगा और दोनों ने फैसला लिया के हम दोनों घर से भागकर शादी कर लेंगे। फिर थोड़े दिन बाद रविवार के सुबह 04:00 बजे राहुल और प्रिया घर से भाग गये। सुबह की पहली ट्रेन में बैठ के अपने घर परिवार वालों से बहुत दुर चले गये थे । राहुल ने कहा कि प्रिया जिस तरह से पिंजरे में कैद दो पंक्षी आजाद हुए हो, वैसी ही फीलिंग्स आ रही है । प्रिया ने कहा कि हाँ, राहुल मुझे भी ऐसा ही

एहसास हो रहा है। दोस्तों, राहुल और प्रिया को नहीं पता था कि वो जिसे पिंजरा समझ रहे थे वो तो उनकी जिदंगी और आजादी का रक्षा कवच था, जो उन्होंने अपने ही हाथों से थोड़ दिया है और बहुत दुर चले गये है। राहुल ने कहा कि प्रिया कल की सुबह नई एक किरण खुशियां लेके आयेगी।

और इस तरह जब सुबह हुई तो प्रिया के घर का माहौल ही कुछ और था जो पहले कभी किसी ने नहीं देखा था। प्रिया के मम्मी-पापा ने सब जगह प्रिया को ढूँढ़ा। राहुल के घर आये राहुल के घर का भी हाल वही था जो प्रिया के घर का था। दोनों घर परिवार वालों के बीच कहा सुनी झगड़ा हुवा। ना कहेने सुनने की बाते हुई, किसी तरह से झगड़े को शांत करके राहुल और प्रिया के घर परिवार वाले दोनों प्रिया और राहुल को ढूंढने लगे। पूरे 24 घंटे बित गये लेकिन राहुल और प्रिया का कोई पता नहीं चला। प्रिया के घर-परिवार और सगे-संबंधियों ने मिल कर पुलिस स्टेशन जाके रिपोर्ट देने का फैसला कर लिया और वही हुवा जो भगवान किसी दुश्मन के साथ भी ऐसा ना करें और देखते ही देखते राहुल के नाम की पुलिस स्टेशन में FIR फट गई। FIR में प्रिया के मम्मी-पापा ने, प्रिया के सगे-संबंधियों ने लिखवाया कि हमारी प्रिया को राहुल जोर-जबरदस्ती, डरा-धमकाकर बहला-फुसला के अपने झूठे प्यार की जाल में फँसा के ब्लैकमेल करके हमारी भोली-भाली लड़की को भगा के ले गया है और हमारी प्रिया की उम्र सिर्फ 17 साल 7 महीने है। हमारे घर से हमारी बेटी के साथ घर से एक लाख रुपये

केस और दो लाख के गहने भी ले गया है। दोस्तों, राहुल को तो पता भी नहीं था कि उसकी जिन्दगी में कितनी बड़ी मुश्किल आ रही हैं । ईधर पुलिस स्टेशन में पुलिस ओफीसर ने राहुल की पूरी जन्म कुंडली निकाल दी थी । राहुल के घर-परिवार, दोस्तों को और सगे संबंधियों को पूछताछ के लिए परेशान करने लगे थे । राहुल के उपर अलग अलग कानून की कलम लगाई गई जैसे कि राहुल के खिलाफ FIR दर्ज की गई थी उसी के अनुसार अपहरण ब्लेकमेल डरा धमकाने कि वगेरे कलम लगाई गई थी, लेकिन सबसे भारी गुनाह जो राहुल ने जाने अनजाने में किया हैं प्रिया को अपने साथ भगा कर ले जाने के अनुसार कलम Pocso यानि कि नाबालिग लड़की और हमारे देश के कानून में से दूसरी कलम 376 रेपिस्ट, बलात्कारी ऐसी भयानक कलम राहुल के उपर लगाई गई थी। इन कलमों की सजा कितनी दर्दनाक, भयानक है, राहुल को इस बात का अंदाजा भी नहीं था। पुलिस वाले राहुल की चार्जशीट बनाने में लग गये थे। जितने राहुल के खिलाफ गवाह-सबूत मिले, उतने ढूँढ़ने लगे थे। राहुल के घर-परिवार वालों को, दोस्तों को राहुल की वजह से बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था । राहुल को पकड़ने के लिए पुलिस वालों ने हर वो जगह पे ढुडा जहां पे राहुल जा सकता था। राहुल और प्रिया को घर से भागे दो महीने बित गयें थे और पुलिस वालों ने भी बहुत मेहनत की राहुल और प्रिया को पकड़ने के लिए, लेकिन पुलिस वालों को राहुल और प्रिया का कोई पता नहीं चल। उधर राहुल और प्रिया बहुत खुश थे। राहुल

को तो पता भी नहीं था कि उसकी जिन्दगी में कितनी बड़ी मुश्किल आ रही हैं और एक दिन प्रिया को अपने घर अपनी माँ से बात करने का बहुत मन हुआ और प्रिया ने अपनी माँ से बात करने के लिए अपने घर पे फोन लगाया। प्रिया की मम्मी ने प्रिया को झूठा दिलासा दिया के तेरी और राहुल की शादी करवा देगे, लेकिन तुम वापस घर पे आ जायो । लेकिन फिर भी प्रिया नहीं मानी । शायद प्रिया को पता था के घर परिवार वाले झूठ बोल रहे हैं प्रिया ने जिस जगह से जिस फोन से अपने घर अपनी माँ से बातचीत करने के लिए फोन लगाया था उस फोन के लोकेशन से प्रिया और राहुल का बहुत आसानी से पता लगा लिया और दोनों को पकड़ के पुलिस स्टेशन में लेके आऐ ।

राहुल और प्रिया को पुलिस वाले लेकर आये। पुलिस स्टेशन राहुल और प्रिया ने पुलिस वालों को बहुत समझाया। प्रिया ने कहा कि सर हम अपनी मर्जी से घर से भागे थे। राहुल भी बहुत रोया-गिड़गिड़ाया, पुलिस वालों के सामने हाथ-पैर जोड़े। कहा कि वह और प्रिया एक-दूसरेदूसरे से बहुत प्यार करते हैं, वे एक-दूसरेदूसरे के बिना जी नहीं सकते। इसलिए प्लीज सर, हमें अलग मत कीजिये, हमें छोड़ दीजिये। प्रिया का भी वही हाल था। राहुल को प्रिया से अलग करके मार पीट के जबरजस्ती पुलिस वालों ने लोकअप में बंद कर दिया । लेडीज कोनस्टेबल ने प्रिया को अपने साथ बिठाया था । राहुल और प्रिया के घर परिवार वालों को फोन कर के पुलिस वालों ने खबर दी कि तुम्हारी लाडली बेटी मिल गई

हैं आके ले जाऐ। प्रिया रोते-रोते बोली सर मुझे मेरे घर नहीं जाना हैं, मुझे राहुल के साथ रहना है। एक पुलिस वाले ने जवाब दिया आज कल की कुछ लड़कीयो के वजह से अपने माता-पिता अपने घर परिवार और राहुल जैसे लड़को की जिंदगी बर्बाद हो जाती है जिस उम्र में लिखना पढ़ना चाहिए अपने करियर को बनाने की बजाय उस उम्र में कुछ लड़कीया बोईफ्रेन्ड बनाके जानू-सोना बेबी बनने के लिये राहुल जैसे लड़के के पीछे भागती हैं। ऐसी कुछ लड़कियों के वजह से दुसरी लड़कियों को भी स्कूल-कॉलेज अकेले घूमने की आजादी नहीं देते उनके घर परिवार वाले और तुम दोनों को पता भी नहीं कि तुमने प्यार के नाम पर कितना बड़ा क्राईम किया हैं। तुम्हारी वजह से अब राहुल पूरी जिदंगी भर जेल के पिंजरे में रोते गिड़गिड़ाते लाचार बेबस कमजोर तड़पते सडेंगा और इस गुनाह के तुम दोनों खुद जिम्मेदार हो, लेकिन सजा तो सिर्फ राहुल को अकेले को ही भोगतनी पड़ेगी और उतने में ही राहुल और प्रिया के घर परिवार वाले भी आ गये। प्रिया को पुलिस वालों ने उसके माता-पिता को सौंप दिया क्योंकि हमारे देश के कानून के मुताबिक लड़की जब तक नाबालिग है और जब तक बालिग ना हो जाये, तब तक लड़की के जिदंगी के सारे फैसले उसके माता-पिता ले सकते हैं और लड़की जब तक 21 साल की ना हो जाऐ तब तक अपनी मर्जी से शायद शादी भी नहीं कर सकती इसीलिए पुलिस वालों ने प्रिया को उसके माता-पिता को सौंप दिया। राहुल के माता-पिता को तो राहुल से सिर्फ एक

मुलाकात करवाई उसके बाद राहुल से किसी को मिलने की ईजाजत नहीं थी।

राहुल के एक जोडी कपड़े घर से दूसरे मगवाऐ क्योंकि राहुल के शरीर की पूरी तलाशी और DN.. PM रिपोर्ट के लिए सरकारी हास्पिटल में ले गये। दोस्तों अब आप शायद ऐ सोचते होगे के राहुल को भी कुछ दिनों बाद छोड़ देंगे और इस Love Story की ऐनडीग हो जायेगी। नहीं दोस्तों, अभी तो 376 Love Story की शुरुआत यही से होती हैं। अब राहुल को पूछताछ के लिए अलग रूम में ले गये। राहुल को मार पीट के डरा धमका के सारे गुनाह कबुल करवाया और शायद राहुल ने वो सब गुनाह जाने अनजाने में किये थे वो सब गुनाह कबूल किये और दूसरे दिन राहुल को कोर्ट में जज साहब के सामने ले गये चिपं कोर्ट में और जज साहब ने सिर्फ राहुल का पुरा नाम पढा। कुछ कोर्ट के नियम अनुसार फोर्मलिटी पूरी की और आदेश दिया कि इस आरोपी को जिला जेल में ले जाकर कैद कर दो। पुलिस वालों ने राहुल को कोर्ट से बाहर निकाल के गाडी में बिठाया, तभी राहुल के घर परिवार वाले आ गये राहुल से मिलने के लिए। राहुल अपने घर परिवार वालो को देख कर बहुत रोया-गिड़गिड़ाया मुझे माफ कर दो मुझे यहाँ से छुडालो। राहुल के घर परिवार वालों ने राहुल की ऐसी हालत देख के उनकी भी आँखों से गंगा नदी बहने लगी थी। जब राहुल अपने आप को संभाल नहीं पा रहा था, तो पुलिस वालों ने राहुल को झूठा दिलासा दिया कि तुम चिन्ता मत करो दसपंद्रह दिन में छूट

जाओगे। राहुल को पुलिस वालों ने जिला जेल में ले जाके बंद कर दिया। राहुल ने पहले ना कभी जेल देखी थी और ना कभी भी जेल के बारे में सुना था और ना कभी जेल के बारे में पढा था। राहुल ने जैसे ही बाहर की दुनिया से जेल के अंदर की दुनिया में कदम रखा तो उसे लगा कि जेल एक बहुत बड़ा और मजबूत पिजरां है। राहुल का नाम एक सिपाही ने रजिस्ट्रेशन में लिखा और पुरे शरीर की झरती यानी के पुरे शरीर की तलाशी ली, शरीर पे कितने निशान हैं। राहुल को पुरा नंगा करके पूरे शरीर कि झरती की उठक-बैठक करवाई और सिपाही ने कहा कि चल अब चुपचाप कपड़े पहन ले और राहुल को जेलर साहब की ओफीस में ले गये। जेलर साहब ने रजिस्ट्रेशन में राहुल का नाम और गुनाह की कलम लिखी और कहा कि युवा हमारे देश का भविष्य होता हैं लेकिन आजकल के नोजवान उजाले को सोडं के धोर अंधकार की ओर आ रहे है जैसे के राहुल तुम आये हो और यहा आने के बाद कभी भी किसी का कोई भविष्य नहीं रहेता। जेलर साहब ने कहा कि इस आरोपी को 5 नंबर यार्ड के 7 नंबर की बैरक में ले जाकर बंद कर दो। सिपाही ने राहुल को पकड़ के चौकी पर ले जाकर खड़ा कर दिया या और दूसरे पके कैदी को आदेश दे कर कहा कि इसे एक थाली और एक कटोरा दे दो और दो चादर दे दो और हो सके तो जेल की दुनिया के नियम भी सीखा देना जेल काटने में थोडी आसानी होगी। पके कैदी ने कहा कि सर ऐ पंक्षी कौन से केस में आया है सिपाही ने कहा कि साला लड़की लैके भागने के गुनाह में आया है 376 के

केस में आया है। सिपाही ने राहुल को कहा कि चल, ये सब उठा ले... अब से यही तेरा सामान है जेल में जिदंगी बिताने का... और हाँ, ये तेरे बाप का राजमहल नहीं, ये जेल है और तू यहाँ का एक कैदी है, तो कैदी बनके ही रहना, नहीं तो बाद में इसे भी ज्यादा पछतायेगा और राहुल को सिपाही ने 7 नंबर की बैरक में ले जाके बंद कर दिया। उस बैरक में जो दूसरेदूसरे कैदी थे वो सब राहुल को आते देख के चिढाने लगे देखों पिंजरे में एक और नया पंछी आया है बैरक के ओडर वोचमेन ने कहा कि इसका बिस्तर टोईलेट के पास वाले कोने में डलवां दो । दूसरे कैदियों ने राहुल को पूछा के बोल साले कोन से केस में आया है राहुल को कुछ पता नहीं चल रहा था कि क्या जवाब दुं उस बैरक में से एक कैदी ने राहुल का काड लेके देखा के ऐ तो साला लड़की बाजी करके आया है । दोस्तों आप ये सोचते होंगे के ये काड क्या है जो राहुल को जेलर साहब ने दिया था । दोस्तों जैसे बाहर की दुनिया में आधार कार्ड पैन कार्ड पासपोर्ट आईडिन्टी प्रूफ होते है ना बिल्कुल वैसे ही जेल की दुनिया में राहुल के पास वही आधार कार्ड जेसा आईडिन्टी प्रूफ था जेल के पिंजरे में रहने का और उस कार्ड में राहुल का केस नंबर राहुल कौन सा गुनाह कर के आया है, राहुल के उपर कौन सी कलमं लगाई गई है कहां का रहने वाला है । राहुल की नई जन्मकुंडली बनाई थी जेलर साहब ने और उसे पढ़ कर दूसरे कैदी ने पुछा के सच में रेप करके आया है या फिर प्यार मोहब्बत का चक्कर था चाहे तुने प्यार किया हो या फिर कुछ और लेकिन अब

तो तु रेप केस का गुनेगार बन गया है । 376 कलम को सुन के दूसरेदूसरे कैदी राहुल को गलत बाते बोलने लगे। राहुल बहुत खामोश था। उनकी बातों का और सवालों का जवाब नहीं दे पा रहा था। शायद राहुल में हिम्मत ही नहीं थी किसी के सवालों के जवाब देनी की। इसीलिए राहुल रोने लगा। कुछ दूसरेदूसरे कैदी राहुल को कहने लगे कि क्या औरतों की तरह रोता है। उनमें से एक कैदी ने कहा कि दूसरों की बहन-बेटी को अपने प्यार-मोहब्बत के जाल में फँसाकर, भगाकर ले जाने से पहले सोचना चाहिए थ, अब सजा तो भुगतनी पड़ेगी तुझे। दूसरेदूसरे कुछ कैदी राहुल को गालियाँ दे रहे थे। उतने में ही खाना लेने की पुकार लगाई सिपाही ने। सब कैदी खाना लेने के लिए गये लेकिन राहुल नहीं गया उनमें से कुछ कैदियों ने राहुल को दिलासा देते हुये कहा कि देख भाई, जो होना था वो हो गया और तुझे यहाँ आना होगा सो आ गया और वो कहते हैं ना के दाने दाने पे लिखा है खाने वाले का नाम। तेरा खाना भी यहाँ जेल के पिंजरे में लिखा होगा तो चल अब खाना लेके खा ले। राहुल रोते हुए बोला नहीं मुझे भूख नहीं है। पीछे से किसी कैदी ने कहा कि कितने दिन नहीं खायेगा। जेल में तो खाना मार मार कर खिलाते है तु भी खायेगा । फिर राहुल अपना बिस्तर लगा के रात को रोते-रोते सो गया अपने घर परिवार को याद करते हुए । दोस्तों अब शायद राहुल को ऐसे ही रोते-रोते जिदंगी बितानी होगी । सुबह 06:00 बजे कैदियों को गिनने के लिए दो सिपाही आये जैसे कि स्कूल में हाजिरी भरते हैं। लोहे का

एक 14-15 फिट का दरवाजा था और उस दरवाजे की बड़ी सी कुन्डी को जोर से तीन बार हिलाया, तो मदिंर के घंटे से भी ज्यादा आवाज दे रहा था लेकिन राहुल सो रहा था। जो जानते थे, वो उठ के दो-दो की जोड़ी में बैठ गये लेकिन राहुल तो अभी भी सो रहा था। जब सिपाही ने बैरक का दरवाजा खोल के देखा के अभी भी कोई सो रहा है तो फिर से आवाज लगाई जोड़ी जोड़ी लेकिन राहुल ने शायद सुना ही नहीं था। सिपाही ने गुस्से में आकर राहुल को दो तीन लाते मार दी और कहा कि ऐ तेरे बाप का घर नहीं है जेल है। उतने में ही ओडर वोचमेन बोला सर ये कल ही आया है इसे जेल के अभी कानून-कायदे, नियम नहीं मालूम। सिपाही ने कहा कि जितना जल्दी ये जेल के नियम सिखेगा, उतना ही इसके लिए अच्छा होगा और गलती से भी जेल के नियम मत तोड़ना नहीं तो तुझे में तोड़ दुंगा। सिपाही ने उस बैरक के केदियों की गिनती करके चला गया और सब कैदी फ्रेस होने के लिये बाहर निकले नाहने धोने। थोड़ी देर बाद राहुल ने फिर से वही दरवाजे की आवाज सुनी, लेकिन इस बार सिपाही नहीं चाय देने वाले पके कैदी थे ओडर वोचमेन ने राहुल को बुलाया और कहा कि जा चाय ले के पी ले और बाद में पुरे बैरक के बाहर झाड़ू मार दे। राहुल चौंक गया राहुल ने फ्रेस होके झाडू लगाना शुरू कर दिया राहुल ने मन ही मन में रोते हुये कहा कि भगवान मुझे यहां से बाहर निकाल। मुझे मेरे घर ले जा। मैंने जिदंगी में कभी अपने घर में भी झाड़ू नहीं लगाया था यहाँ ये सब करना पड़ता है। राहुल झाड़ू लगा के बैठा

ही था के बैरक के जवाबदार ने राहुल को कहा कि जा टोईलेट और बाथरुम की चोकीयाँ साफ कर दे । राहुल चौंक गया और बोल पड़ा के मैं ऐसा काम नहीं करूँगा । बैरक के जवाबदार ने कहा कि तु तो क्या तेरा बाप भी होता तो भी करना पड़ता । जवाबदार ने राहुल का कोलर पकड़ा और जेल की चोकी पर सिपाहियों के पास ले गया और कहा कि सर ये लड़का काम करने से मना करता है । सिपाही ने कहा कि कौन से केस में आया है जवाबदार ने कहा कि सर ऐ कलंम Pocso 376 केस में आया है । सिपाही ने गुस्से में आकर राहुल को गालियाँ दी, बोला कि किसी नाबालिग लड़की की ज़िन्दगी बिगाड़ के आया है साले और ऊपर से राजा-महाराजा के तेवर दिखा रहा हैं । सिपाही ने जवाबदार को कहा कि जा ओफिस में से डंडा लेकर आ, इसके तेवर और प्यार का नशा भी उतारते हैं। जवाबदार डंडा लेके आया दो सिपाही ने राहुल को पकड़ा राहुल माफी मांगने लगा । लेकिन तीसरे सिपाही ने राहुल के पीछे के भाग में कमर के निचे चार पांच डंडे मार दिऐ । राहुल ने रोते हुए कहा कि सर मुझे माफ कर दो । सिपाही ने कहा कि तू अभी नया नया है इसलिये और तेरी पहली बार कम्प्लेन आई है ईस लिऐ तुझे ईतनी आसानी से जाने दे रहा हूं दुबारा तेरी कोई कमप्लेन नहीं आनी चाहिए समझा के और समझायूं । राहुल बोला नहीं सर अच्छे से समझ गया लेकिन बहुत देर हो गयी समझने में । सिपाही भी राहुल की बात सुन कर कहने लगा कि कब तक राहुल जैसे लड़के यहां नर्क में आते रहेंगे कास के कोई इनके जैसे लड़को

की Love story को 376 Love story बनने से रोकने के लिए कुछ करे ताकि राहुल जैसे लड़के लड़कियों के प्यार मोहब्बत के नशे में डूब के जेल की दुनिया में ना आऐ और राहुल की पहले सिर्फ Love Story थी लेकिन अब इस का नाम 376 Love Story हैं और इस 376 Love story की ऐनडीग शायद बहुत भयानक होगी । राहुल ने बैरक के यार्ड में जाके टोईलेट और बाथरूम की चोकियाँ साफ़ कर दी । जवाबदार ने कहा कि आज तो तुने सिर्फ टोईलेट और बाथरूम की चोकिया साफ की है जब तुझे दो-तीन साल बाद सजा पड़ जाएगी तो हर रोज शायद टोईलेट भी साफ़ करना पड़ेगा, अब इसकी आदत डाल ले । राहुल जवाबदार की बातें सुनकर अपने बिस्तर पर जाके रोने लगा । एक दूसरेदूसरे कैदी ने राहुल के पास आकर कहा कि दोस्त यह जेल है, यहां अब इसी तरह हर दिन बिताना पड़ता है, रोने से तुझे ऐ पुलिस वाले और कोर्ट वाले तुझे यहां से छोड नहीं देंगे । उस कैदी ने कहा कि मैं एक साल से हूं । मैंने अपने घर-परिवार, अपने बीवी-बच्चों को एक साल से नहीं देखा। उसने कहा कि दोस्त बस अब तो तुझे भगवान और तेरी किस्मत ही यहां से छुड़ा सकती है और शायद वो लड़की के माता-पिता और उनके घर-परिवार वाले, जिन्होंने तेरे ऊपर Pocso 376 का केस किया है और वो लडकी जिसे तू प्यार करता है वो सब नहीं माने तो तुझे उम्र कैद की सजा पड जाएगी.......।

राहुल को जेल में पांच दिन बीत गये थे लेकिन दोस्तों अब क्या फर्क पड़ता है पांच दिन बीते या फिर दस दिन। क्युं के जेल में से थोड़ी ना पंद्रह दिन के बाद राहुल को छोड देगें। जेल में जाने के बाद तो कितने लोगों के 1 साल 5 साल 10 साल 15 साल 20 साल बीत जाते हैं। अब तो समय और कोर्ट में बेठे जज साहब ही फैसला करेगें के राहुल को जेल में कितने दिन या कितने महीने या फिर कितने साल बिताने हें और अब राहुल को जेल के नियम तौर तरीके जेल कितनी बुरी जगह है नर्क जैसी है। राहुल को अब ऐ सब धीरे-धीरे समझ में आ रहा था लेकिन अब क्या फायदा राहुल मन ही मन में सोचता था के काश ये सब में पहले से जानता तो ऐसी गलती नहीं करता। अपने प्यार के लिए भी नहीं कभी नहीं लेकिन वो कहते हैं ना कि जो होना हैं वो तो हो कर ही रहेता है। राहुल के कुछ और दिन खुद को समझाने में बीत गये। इन दिनों राहुल के पास जेल के पिंजरे में दूसरे कितने लोग अलग अलग केस में आए और राहुल की तरह दूदूसरे लड़के भी जो लड़कीयो के प्यार में अन्धे होकर भागे थे। अपनी G F जानु को लेकर वो भी भागते भागते थक गये थे शायद इसीलिये पुलिस वालों ने उन्हें आराम करने के लिये वो भी मुफ्त में जेल के पिंजरे में लाके जी भर के आराम करने के लिए जेल के पिंजरे में कैद कर लिया और शाम को एक सिपाही आया एक कागज लेके राहुल की बैरक के पास आकर अलग अलग कैदियों के नाम पुकारने लगा और उस लिस्ट में राहुल का भी नाम था। सिपाही ने कहा कि कल तुम सब की

तारीख है, कोर्ट में पेशी है। जज साहब के सामने हाजरी पुराने के लिए जाना है तो कल सुबह 10:00 बजे सारा काम कर के तैयार रहना। राहुल रात को सोच रहा था कि कल बाहर की दुनिया देखने को मिलेगी और शायद मेरे घर-परिवार वाले भी आयेंगे मुझे मिलने के लिए। मैं क्या जवाब दूंगा अपने घर परिवार वालों को। मेरे घर परिवार वाले कितने परेशान होते होंगे। कितनी मुश्किल में होंगे और यह सब मेरी वजह से हुआ है। राहुल रोते-रोते सो गया और सुबह को फिर से वही जोडी जोडी में बैठना, सिपाही का आरोपियों को गिनने के लिए आना सुबह वही काम ना चाहते हुए भी करना पड़ता है। वही चेहरे वही बडी-बडी दिवारें। राहुल अब ऐ सब सीख गया था। दोस्तों दुनिया में जेल एक ऐसी स्कूल है जो अगर आपको कोर्ट में से जज साहब ने रिजल्ट दे दिया तो क्या होगा। दोस्तों में पहले आपको बताता हू के कोर्ट में से जज साहब सिर्फ दो तरह के रिजल्ट देते है एक रिजल्ट जो आपको जेल के पिंजरे से हमेशा के लिये आजाद कर देगा और दुसरा रिजल्ट जो शायद आपको 10, 20 साल के लिए या फिर उससे भी ज्यादा साल के लिये अंनदर रहने के लिऐ पका सल्टी रिजल्ट देगें। जेल की स्कूल ईनसान को बहुत कुछ सीखाती है। जेल में बिना पढाऐ लोग खुद ब खुद पढ लेते हैं। जेल से जो छूटता है वो इंसान या तो बहुत अच्छा बन जाता है क्योंकि जेल की पढाने सिखाने की रीत दूसरी स्कूलों से बहुत अलग है लेकिन बहुत कम लोग किस्मत वाले होते हैं जो जेल के पिंजरे से निकल के इस बाहर की दुनिया को पढ़ाते है

लेकिन जो लोग नहीं निकल पाते जेल के पिंजरे से वो लोग जिदंगी भर भी सिखते पढ़ते रहे तो भी कुछ फायदा नहीं होगा क्युं की जेल की पढ़ाई जेल में ही बड़ी-बड़ी दिवारों के पीछे ही दफन हो जाती हें । दोस्तों आप जेल की स्कुल में जाके पढ़ने की कभी मत सोचना । मैं आपको जेल की पढ़ाई बाहर की दुनिया में पढ़ा रहा हूं । थोड़ा सा आप इसे पढ़के पूरा अनुमान लगा ली जीयेगा । राहुल फ्रेस होके दरवाजे के सामने बेठा था के कब मुझे तारीख पे ले जाने के लिए बुलाऐगे । तभी एक कैदी ने आके कहा राहुल सुना है कि आज तेरी तारीख है । राहुल ने कहा कि हा भाई आज मेरी तारीख है । उस कैदी ने कहा कि अच्छा कपड़ा तो लगाया हैं ना । राहुल ने कहा कि क्या मतलब । उस कैदी ने कहा कि तूं जिस लड़की को लेके भागा था उसे भी महीने में तारीख आती थी ना मतलब के पीरीयडर्स । राहुल गुस्से से लाल पीला होके बोला भाई बात करनी नहीं आती तो मत कर दूसरेदूसरे कैदी ने कहा कि राहुल गुस्सा मत कर तेरी भी आज तारीख है । जब किसी लड़की की तारीख़ होती हैं यानी के पीरीयडर्स होते हैं तो खुन निकलता है आज तेरी तारीख है कोर्ट की तो तेरी आँखों से आँसू निकलेंगे और दर्द तकलीफ पीड़ा होगी लेकिन तू किसी से ना कहे पाऐगा और ना दिखा पाएगा और ना कोई तेरा दर्द समझ पाऐगा तो तु ही बता हुए ना आज तेरी तारीख अब तेरी भी महीने में दो तारीख आएगी और तुझे भी कोर्ट में ले जाऐगे हाजरी देने के लिए । राहुल को ऐसी सब बातें जो जख्म पे नमक छिड़कने की तरह थी । लेकिन राहुल को ऐसी बातें

ताने शब्दो के तीर तो अभी बहुत सहने थे। राहुल को दूसरे कैदी चिढा रहे थे उतने में ही राहुल के नाम की पुकार पड़ी राहुल भागता हुआ गया। राहुल को भी तारीख पे जाने वाले कैदियों की लाईन में खड़ा कर दिया। सिपाहियों ने अंदर के कैदियों को कोर्ट में ले जाने की प्रोसेसिंग फोरमोलिटी पूरी करके बाहर के पुलिस वालों के हाथ में अंदर के कैदियों की जिम्मेदारी दे दी और उन्होंने कैदियों के एक दूसरे के हाथ में हथकड़ी लगा के पुलिस की बस में बिठा के कोर्ट में ले गऐ। हाजरी पुराने के लिए राहुल को जज साहब की कोर्ट में ले गये दूसरे कैदियों को भी अलग अलग कोर्ट अलग अलग जज साहब के सामने ले गये। जज साहब ने राहुल का नाम पुकारा और कहा कि आप राहुल हो राहुल ने कहा कि हां सर में राहुल हुं जज साहब ने कहा कि क्या तुम पर जो गुनाह लगाऐ गये हें क्या तुम उन गुनाहो को कबुल करते हो। राहुल ने जवाब दिया नहीं सर। जज साहब ने कहा कि ठीक है ये केस आपका चलाया जाएगा और गवाह और सबूतों के आधार पे आपको फैसला शुनाया जाऐगा और जज साहब ने राहुल को 14 दिन की तारीख दे दी राहुल को पुलिस वालों ने बस में लाके बिठा दिया। तभी राहुल के घर परिवार वाले भी आऐ थे राहुल से मिलने देखने के लिए। राहुल ने जैसे ही अपने घर परिवार वालों को देखा वैसे ही आँखों से आँसू बहने लगे। राहुल की ऐसी हालत देख कर राहुल के घर परिवार वाले भी रो रहे थे। राहुल रोते-रोते बोला कि मुझे यहां से छुडालो। आप जो बोलोगे मैं करुगा कभी भी कोई गलती नहीं करुगा।

राहुल के घर परिवार वालों ने राहुल को दिलासा दिया के हम तुझे जेल से छुडा लेंगे तू रो मत, तुझे हमने कितना समझाया था प्यार मोहब्बत के चक्कर में मत पड अब तु खुद देख तेरी हालत कैसी हो गई हैं प्यार मोहब्बत में राहुल रोते हुए बोला मैंने तो बस अपने प्यार को पाने के लिए ऐे सब किया था मुझे क्या पता था कि प्यार को पाने की ईतनी बड़ी सजा मिलेगी। राहुल के घर परिवार वालों ने कहा कि तेरा ऐे गुनाह अखबार में छपा है के तुने प्रिया नाम की लड़की का अपहरण कर के रेप बलात्कार किया हैं तुने तो पूरे घर परिवार वालों की इज्जत मिट्टी में मिला दी। राहुल बस रोते-रोते सब सुन रहा था उसके पास शायद शब्द नहीं थे। उतने में ही पुलिस वाले दूसरे कैदियों को लेके आऐ सब दूसरे कैदी आ गये थे। राहुल को पुलिस वालों ने कहा कि अब बहुत हो गई मुलाकात तेरे घर वालों से कहे दे के मुलाकात करनी हो तो जेल में मुलाकात लिखा के मिल ले जो बात चित करनी हो वहां पे कर लेना। बस के ड्राईवर ने भी बस चला दी। राहुल रोते-रोते अपने घर परिवार वालों से कहता रहा मुझे छुडा लेना। बस भी जेल के गेट तक पहुंच गई। सब कैदियों को गेट के अंदर ले गये। सब को एक लाईन में खड़ा कर के सब फोरमोलिटी पूरी की और एक एक करके तलाशी ली नंगा किया के कोई कैदी बाहर से अन्दर कुछ लाया तो नहीं ना राहुल ऐे सब परिस्थितियों से कभी गुजरा नहीं था ऐे सब राहुल की जिंदगी में पहली बार हो रहा था।

राहुल की जिदंगी में पहली बार तो सब होगा लेकिन अभी तो ऐसी परिस्थितियां तो बहुत सी आनी बाकी है। ऐ तो बस शुरुआत है। राहुल बैरक में आके अपने बिस्तर पर आके रोने लगा। दूसरे कैदियों ने पूछा क्या हुआ रो क्युं रहा है। राहुल ने कहा कि मेरे घर परिवार वाले आऐ थे मुझसे मिलने के लिए तो सब ने कहा कि ऐ तो अच्छी बात है इसमें रोने जैसी क्या बात है। राहुल ने कहा कि मेरी वजह से मेरे घर परिवार वालों को कितनी तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है मेरे घर परिवार वालों ने कभी भी पुलिस स्टेशन नहीं देखा था लेकिन मेरी वजह से उनको आज कोर्ट में आना पड़ा। दूसरे कैदी ने कहा कि तू खुशनसीब है के तुझे तेरे घर परिवार वाले मिलने के लिए आते हैं यहां पर तेरे जैसे कितने लोग है जो जेल में तेरी तरह जिदंगी बिता रहे हैं तू अकेले यहां कोई गुनाह करने वाला पहला इनसान नहीं हैं और ना ही तेरे रोने से सब बदल जाऐगा यहां पर ऐसे भी लोग हैं जिसके घर परिवार वालों में से कोई भी मिलने के लिए नहीं आता। यहां पर अनाथों की तरह ही जिदंगी बितानी पड़ती है और ऐ सब तो तुझे उस लड़की को लेके भागने से पहले सोचना चाहिए था तब तुने अपने प्यार मोहब्बत के नशे में ना तो अपने घर-परिवार वालों के बारे में और ना अपने भले-बुरे के बारे में सोचा। तुम जैसे आज कल के लड़को को अपने खुद के अच्छे बुरे का फर्क नहीं समझ में नहीं आता तो तुम क्या जिन्दगी जी पायोगे। अब तू यहां आ ही गया है तो इसे कबूल कर इस परिस्थितियों का सामना कर जेल में। सब पहली

बार ही आते है। हम सब इस दर्द तकलीफों से गुजर चुके हैं और ना जाने कितने लोग तेरी तरह इस दर्द तकलीफों हालातों से गुजरेगे। इसलिए राहुल जो होना था वो हो गया और जो होना है वो होगा। तू उसे बदल नहीं सकता। इसलिये जो हो रहा है और जो होने वाला है उसे फेस कर उन बुरे हालातों से गुजरने के लिए खुद को तैयार मजबूत कर राहुल अभी तो कुछ आँसुओं को बचा के रख अभी तो इन ना समझ नादान मासुम आँखों को इन आंसूयों की बहुत जरूरत पड़ने वाली है इसलिए थोड़े से आँसुओं को बचा के रख क्युं की यहां लोग जेल में पानी से ज्यादा आंसुयों को ज्यादा पीते हैं। इसलिए राहुल अब तू भी इन आशुयों को पीना सिख ले। यहां जेल में कोई तेरे आँसुओं को पोछने नहीं आएगा जो तेरे आँसुओं को पोंछ सकते थे उन्हें तू बाहर की दुनिया में छोड़ आया हैं। राहुल अब इसे तू अपनी किस्मत मामले दूसरे कैदियों ने इतना कह कर राहुल को अकेला छोड दिया। राहुल को ऐसी हालत में देख कर दूसरे कैदियों को भी वही दर्द का एसास हो जाता जब वो भी राहुल की तरह जिदंगी में पहली बार जेल में आऐ थे। राहुल ने जैसे तैसे करके दिन तो बिता लिया और शाम के 04:00 बजे खाना लेके बैरक में रख दिया और जब शाम के 06:00 बजे तो सीपाई ने बैरक में आके गिनती करके बैरक को ताला मार दिया। राहुल ने रात भी काट ली। रोते-रोते फिर से सुबह हुंई फिर सुबह के 06:00 बजे सिपाही आया बैरक का ताला खोला और कैदियों की गिनती की और सब कैदी भी नाहने धोने के लिए गये टोईलेट

बाथरुम में गये जो बहुत पुराने थे और शायद कभी-कभी तो लाइन में भी खड़ा रहेना पड़ता क्योंकि हर एक आरोपी का अलग एक टोईलेट बाथरुम तो नहीं होता जेल में फिर से वही काम साफ सफाई करना लोग जेल में काम तो करना चाहते हैं लेकिन जो उनको करना पड़ता है वो काम उन्हें पसंद नहीं हैं और जो काम करना पसंद है वो काम जेल में करने नहीं देते जेल को युही जेल नहीं कहते। राहुल भी अब दूसरेदूसरे कैदीयों की तरह जेल काटना यानी कि जेल में दिन बिताना सीख चुका था। राहुल के अब जेल में तीन महीने पुरे होने आऐ थे। राहुल चार्जशीट लेने के लिए कोर्ट में कल जाने वाला था। शाम को बैरक बंदी के बाद एक सिपाही आया। कल की कोर्ट की तारीख का लिस्ट लेके लिस्ट में जितने आरोपी के नाम थे सब का नाम पुकार के सिपाही ने बताया के कल तुम्हारी कोर्ट में तारीख हैं तो कल सुबह तैयार रहेना। 10:00 बजे राहुल का भी लिस्ट में नाम था। राहुल भी खुश था के कल बाहर की हवा खाने के लिए मिलेगी और बाहर की दुनिया भी देखने को मिलेगी, लेकिन राहुल थोड़ी देर बाद ऐ सोच के दुखी हो गया के फिर से वही आजाद खूबसूरत कलरफुल दुनिया को छोड के वापस यहां जेल के पिंजरे में ही आना पडेगा फिर से जखम हरा हो जाऐगा। दोस्तों चाहे हमारे साथ कितना भी बुरा क्युं ना हो जाऐ चाहे हमारे माता-पिता भाई बहन दोस्त गर्लफ्रेंड पत्नी बच्चे में से किसी की मोत हो जाऐ तब भी हम उस दर्द डीप्रेसन से दूर हो सकते हैं उस हादसे को उस दर्द को भुला सकते हैं लेकिन अगर राहुल जैसा या

फिर कोई भी गुनाह कर के जेल में गऐ तो उस हादसे को उस दर्द तकलीफों को तुम कभी भी भुला नहीं सकगो सुबह हुंई फिर से सिपाही आया बैरक के ताले को खोला और कैदियों को दो दो की जोड़ी में बीठा कर गिनती कर के चला गया। राहुल भी नहा धो के फ्रेस हो गया। राहुल भी अब पुजा पाठ करने लगा था। जेल के कैदियों ने जेल में आने से पहले कभी शायद किसी ने श्री मद भगवतं गीता कुरान बाईबल नहीं पढी होगी लेकिन जेल में समय बिताने के लिए और जेल में समय बिताने की शक्ति के लिये सब पढ़ते हैं अंदर रहने वालों का और अंदर जाके बाहर आने वालों का मानना हैं कि अगर लोग अपने अपने घर्म के ग्रन्थ पहले से ही पढे होते तो जेल में जाने की कभी नौबत नहीं आती और ना ही कभी जेल की हवा खानी पड़ती और जो लोग कभी जेल में नहीं गऐ और जो लोग कभी जेल की हवा नहीं खाना चाहते वो लोग जरूर अपने अपने धर्म के ग्रन्थं पढ़ ले क्योंकि आज भी हमारे ग्रन्थों में इतनी शक्ति है के बड़ी से बड़ी मुसीबत टल सकती है और बड़ी से बड़ी मुश्किल से बचा सकती हैं। राहुल भी यही सोच रहा था के शायद मैंने पहली बाहर की दुनिया में ही श्रीमद भगवत गीता पढं ली होती तो मैं आज में जेल में नहीं होता और ना ही मेरी यह हालत होती। जेल में हिन्दू-मुस्लिम सब अलग-अलग धर्म के लोग एक साथ रहते हैं, उनके लिए अलग अलग जेल नहीं बनाई और ना ही कभी बनाएंगे जो हिन्दू मुस्लिम धर्म के लोग या फिर अलग अलग धर्म के लोग बाहर की आजाद दुनिया में एक साथ हंसी

खुशी से मिल झुल के दुख दर्द बाट के नहीं रहते या फिर नहीं रहना चाहते, उन लोगों को जेल के पिंजरे में एक साथ मिल झुल के हँसीखुशी से दुख दर्द बाँट के जेल के पिंजरे में जिदंगी बितानी पड़ती हैं। इसलिये दोस्तों चाहे किसी भी धर्म के नाम पर किसी के बहकावे में आके लडाई झगड़ा मत कीजियेगा। उपरवाले ने हमे इतनी बड़ी खुबसूरत आजाद दुनिया दी हैं जिसे हम सब पृथ्वी कहते हैं सबसे प्यार मोहब्बत से हँसीखुशी से मिल झुल के दुख दर्द बाँट के रहो और अपनी जिंदगी में ऐसा एक भी गलत कदम मत उठाना और ना ही गुनाह करना के तुम्हें जेल की सलाखों के पीछे ले जाए। सब कैदियों को कोर्ट में ले जाने से पहली खाना भी जल्दी 10:00 बजे से पहले 09:00 बजे दे देते हैं। राहुल भी खाना खा के तैयार बेठा था कोर्ट में जाने के लिए। राहुल पुराने कैदियों से पूछ रहा था के यह चार्जशीट क्या होती है और इसे क्या होता हैं दूदूसरे कैदी राहुल को सब समझा रहे थे और कुछ कैदी राहुल को चिढ़ा रहे थे के तेरे गुनाहों की फाईल होती है चार्जशीट तूने कैसे उस लड़की का अपहरण कर के उस के साथ शारीरिक सबंध बांधे और कितने दिनों तक और चार्जशीट में तेरे गुनाहों के सबुत साख्सी पचों के नाम होगे जो कोर्ट में तेरे गुनाह के खिलाफ गवाही देगे फरीयादी का बयान पीडिता का यानी के उस लड़की का बयान जिसे तु अपनी आजाद जिदंगी से भी ज्यादा प्यार करता था और तेरे DN का मेडिकल रिपोर्ट PM रिपोर्ट प्राइम मिनिस्टर की रिपोर्ट नहीं तुने उस लड़की के कौन कौन से अगं को छुवा है वो सब

लिखा होगा और वो सब जो तुझे कड़ी से कड़ी सजा दिला सके वो सब सबुत और एक चार्जशीट जो ओरिजिनल होगी वो तेरे केस का फैसला सुनाने वाले जज साहब के पास होगी और दुसरी जेरोख्स कोपी तू जे देगें अपने गुनाहों को अपनी आंखों से पढ़ने के लिए और उस कोपी से तू किसी अच्छे वकील को देके केस लड़ने के लिए देगा। दूसरे कैदियों ने कहा राहुल अब समझा चार्जशीट क्या होती है। राहुल ऐ सब सुन के बहुत डर गया था। तभी सिपाही ने राहुल के यांड के पास वाले गेट से जितने कैदियों की तारीख थी कोर्ट में उनके नाम पुकार के बुला लिया राहुल का भी नाम था उसमें। राहुल भी दूसरे कैदियों के साथ जाके लाईन में खड़ा हो गया। राहुल को कोर्ट में ले गये पुलिस वाले राहुल को जज साहब के सामने ले गये राहुल को थोड़ी देर तक बिठाया और बाद में जज साहब ने कोर्ट को आदेश दिया के राहुल को उसके केस की चार्जशीट की कोपी दे दी जाऐ। कोर्ट ने सब फोरमोलीटी पूरी की और राहुल को दुसरी तारीख के साथ चार्जशीट देके वापस जेल में ले जाने का आदेश दिया। राहुल को सिपाही ने बैरक में लाके बंद कर दिया। राहुल भी अपने बिस्तर पर जाके चार्जशीट पढ़ने लगा। राहुल ने दो तीन पेज पढे प्रिया की गवाही पढ़ने के बाद राहुल के आखों से गंगा बहने लगी। दूसरे कैदी राहुल के पास आके बोले फिर से औरतों की तरह रोना शुरू कर दिया। राहुल ने जवाब दिया के इस चार्जशीट में लिखा है के मैंने प्रिया को किडनैप कर के उसके साथ जोर जबरदस्ती से रेप किया मैंने कभी प्रिया की मर्जी के बिना

उसे छुवा भी नहीं। मैं कभी सपने में भी ऐसा नहीं सोच सकता। दूसरे कैदी राहुल को चिढ़ाते हुंऐ बोले के देख लिया तेरे प्यार मोहब्बत में कितनी सच्चाई है कितनी ताकत है प्यार मोहब्बत इश्क करना बच्चों का खेल नहीं है और जो लोग इसे खेल समझ कर प्यार मोहब्बत इश्क के खेल में पड़ते हैं उनकी तेरी जैसी हालत हो जाऐगी यहा हमारे पास जेल के पिंजरे में जिदंगी बितानी पड़ेगी देख लिया अच्छे से पढ़ ले तेरे प्यार मोहब्बत ईश्क की और तेरी प्रिया की जुबानी गवाही। दूसरे कैदियों ने राहुल को समझाते हुंऐ कहा कि ऐ तो बस चार्जशीट में लिखा है के तुने रेप किया है अभी तो जज साहब के सामने कोर्ट में जुबानी गवाही देगी के राहुल ने मेरे साथ जोर जबरदस्ती की थी तो तुझे सजा पड़ेगी अभी से क्यूं रो रहा हैं तेरे जैसे प्यार मोहब्बत में कितनों को सजा पड़ गई और न जाने कितने लड़कों को प्यार मोहब्बत करने वालों को सजा भोगतनी पड़ेगी। राहुल रोते-रोते बोला के ऐसे कानून का क्या मतलब है जो दो प्यार करने वालों को अलग करता है क्या प्यार मोहब्बत ईश्क करना गुनाह हैं और ईसकी ईतनी बड़ी सजा भोगतनी पडती है दूसरे कैदियों ने राहुल को कहा कि कानून प्यार करने वालों को अलग नहीं करता और ना ही प्यार मोहब्बत करने वालों को सजा देता है तुम जैसे लड़के नाबालिग लड़कीयो को अपने प्यार मोहब्बत ईश्क के जाल में फसा के शारीरिक संबंध बांधते है वो गुनाह हैं और अपने प्यार मोहब्बत के जाल में फंसा के घर से लड़की को अपने साथ भगा कर ले जाना वो गुनाह हैं. जिस उम्र में तुम जैसे लड़कों

को अपना फ्यूचर अपना करियर बनाना चाहीऐ उस उम्र में तुम जैसे लड़के प्यार मोहब्बत ईश्क के चक्कर में पड़ते हैं और तेरी तरह जेल में आके रोते रहते के मैंने प्यार मोहब्बत क्युं किया। राहुल ने कहा कि मूझे ऐ सब पता नहीं था और ना ही मुझे किसी ने कहा था उन में से एक कैदी ने कहा कि राहुल तेरी इस बात से में सहेमत हुं और ऐ सब हमे स्कूलों में नहीं पढ़ाते और ना ही ईतनी डिटेल्स में समझाते है और ना ही इतनी अच्छी तरहा से समझाते है। हम जैसो को अच्छी तरहा डिटेल्स में समझाया जाऐ के ऐसा करना गुनाह हें और ऐ बताया जाऐ के जेल ईतनी बुरी जगह हैं तो शायद ही कोई पागलं होगा जो गुनाह करके जेल में आऐगा। राहुल ने कहा कि भवावन भी जाने अनजाने में किया हुं वा एक गुनाह को माफ कर देते हैं। दूसरे कैदी ने कहा कि उपरवाला एक तो क्या सो गुनाह माफ करता है लेकिन यहां धरती वाले एक गुनाह को भी माफ करने के लिए तैयार नहीं है। इसी लिये शायद इसे कलयुग कहते हैं और राहुल तेंरे जैसे लड़के हर रोज प्यार मोहब्बत करके लड़कीयो को भगा ले जाने के गुनाह में बहुत से केस आते हैं। पुलिस स्टेशन में कोर्ट में अखबारों में तेंरे जैसे लड़के अपनी Love Story को 376 Love story बनाके यहां हमारे पास जेल के पिंजरे में सजा भोगतने के लिए आते हैं और हमे भी इस बात का बहुत दुख है कि कब तक तेंरे जैसे लड़को को प्यार मोहब्बत में पडके 376 Love story का शिकार बनाना पड़ेगा।

राहुल को उसके हाल पे छोड के सब खाना लेने के लिए गये। जेल में शाम 04:00 बजे खाना आता था राहुल को भी दूसरे कैदियों ने कहा चल खाना ले ले नहीं तो रात को भूखे पेट नीद नहीं आऐगी और नींद नहीं आऐगी तो तेरे दिलो दिमाग पे सोच का पहेरा रहेगा और तु सोचेगा तो दर्द बढ़ेगा और जो दर्द बढ़ेगा तो आंसू बहेगे और तुझे इसी तरह से पूरी रात रो रो कर गूजारनी पड़ेगी और हमे भी तु सोने नहीं देगा और शायद तुझे पुलिस वाले डन्डे से खाना खिलाऐगे तो चल राहुल खाना लेले और तुझे नहीं खाना तो तेरे हिस्से का खाना हमे दे दे ना। राहुल भी अपनी थाली और कटोरा ले के खाना लेने गया। लाके अपने बिस्तर के पास रख दिया और शाम को फिर बधी हो गई। शाम को सब कैदियों ने अपने अपने धर्म के अनुसार नामाज पूजा कर के खाने के लिए बैठे। राहुल को भी दूसरे कैदियों ने अपने पास बिठा कर खाना खिलाया राहुल ने भी दुखं दर्द में जितना खाना खाया जाऐ उतना खाया। दोस्तों वो रात कैसे गुजरी ऐ तो बस राहुल और उपरवाला ही जाने राहुल के दिन अब महीनो में बीत रहे थे। राहुल के पास जेल के पिंजरे में रोज नये नये लोग नये नये केस आते थे वही दुख दर्द वहीं अपनी अपनी जिंदगी के हास्से की कहानिया अपने आंसूयों से लिखी हुई है। राहुल जैसे लड़के भी 376 Love story के जाल में फंस के आते थे और राहुल की तरह ही जेल के पिंजरे में फड़फड़ा रहे थे। खुले आसमान में उड़ने के लिए जेल में हर रोज अलग अलग स्टोरियो को जानना सुनना। एक दूसरे की जुबान से

पढ़ना अपनी आंखों से पढ़ना, अपनी अपनी स्टोरी एक दूसरे को सुनाना समझाना बताना और एक दूसरे से शेयर करना। जेल में समय बिताने के लिए ऐ सब करते हैं लोग लेकिन हमारे बाहर की दुनिया में लोगों के पास किसी की बात सुनने का किसी का दुख दर्द समझने का किसी कि मदद करने समय ही नहीं हैं और जो लोग मदद करना चाहते हैं उनके पास समय नहीं है। जेल में लोग समय बिताने के लिए Lundo chess और भी गेम्स खेलते हैं और जेल की लाईब्रेरी से किताबें लाके पढ़ते है और दोस्तों जेल में अपना काम खुद करना पड़ता हें जैसे के कपड़े खुद धोना झाडु लगाना जो अपने काम होते हैं वो सब करना पड़ता है कभी-कभी हफ्ते में या फिर महीने में एक दो बार राहुल से मुलाकात लेने के लिए राहुल के घर परिवार वाले भी आते जाते रहते थे। राहुल सोच रहा था के जिदंगी में कैसे केसे मोड़ आते-जाते हैं अपने घर परिवार वालों से भी मिलने बात चीत करने के लिए लाईन में खड़ा रहना पड़ता हैं तड़पतना पड़ता हैं। जेल के पुलिस वालों की रजा लेनी पड़ती हैं मेरे और मेरे घर परिवार वालों से मुलाकात करते समय बीच में जेल की सलाखे रहेती है। राहुल के घर वाले जभी राहुल की मुलाकात लेने के लिए आते थे तो राहुल के लिए कुछ ना कुछ लेके आते थे खाने की चीजे कपड़े। दोस्तों जो चीजे हमे बाहर की आजाद दुनिया में बहुत आशानी से मिल जाती है वो चीजे जेल की दुनिया में बहुत मुश्किल से मिलती है और शायद कभी नहीं मिलती। जेल में बहुत कम लोगों की मुलाकात नास्ता कपड़े

सामान मनीओडर यानी कि पोकीट मंनी आती हैं। दोस्तों आप ही सोचो के एक दो दिन हम अपने घर परिवार वालों से स्मार्ट फोन से ऐ कलरफुल आजाद दुनिया से दूर नहीं रहे पाते तो राहुल और राहुल जैसे लोग जो जेल के पिंजरे में है और जो लोग जाने वाले काम करते हैं उन सब की क्या हालत होगी इस बात का जरा सा अन्दाजा लगा के देखों दोस्तों तुम खुद को राहुल की जगह पे सिर्फ 1 मिनट इमेजिंग करके देखों तुम्हारी रुह कांप जाऐगी। राहुल के जेल 5 महीने बीत गये थे और राहुल को अगले महीने की 7 तारीख को कोर्ट की तारीख में जाना था। 5 दिन बाद राहुल भी अब दुख दर्द के साथ जिंदगी बिताना सिख गया था और 7 तारीख भी आगई राहुल भी तैयार बैठा था। राहुल को कोर्ट में ले गये पुलिस वाले। जज साहब ने राहुल को कहा कि तेरा केस लड़ने के लिए कोई वकील है या मैं यहां से सरकारी वकील दे दुं। राहुल ने कहा कि जब मेरे घर परिवार वाले मेरी मुलाकात जेल पर लेने के लिए आऐंगे तो उन्हें कहे कर प्राइवेट वकील रोक लुंगा। जज साहब ने कहा कि अब तेरा केस चलेगा अब टाईम नहीं है तेरे पास। राहुल ने हाथ जोड़ के बिनती की सर मुझे नेक्स्ट तारीख तक का समय दे दिजीऐ। जज साहब ने नेक्स्ट तारीख दे दी राहुल को पुलिस वालों ने वापस जेल के पिंजरे में ले जाके डाल दिया। राहुल बैरक में आया तो सब दूसरे कैदी राहुल को चिढाने लगे क्यु आज बाहर से ही रो के आया है। आज तु तारीख से आने के बाद रो नहीं रहा। राहुल ने कहा कि दोस्त इन आखों से आंसू इतने बहे है के

अब दर्द होने के बाद भी आंसू ही नहीं निकलते। दूसरे कैदियों ने राहुल का ऐ बात करने का तरीका देख कर बहुत चौंक गये और बहुत कुछ समझ भी गये थे। उनमें से एक कैदी ने कहा कि राहुल अब तु जेल काटना यानी कि जेल में समय बिताना सिख गया हैं। इसी तरह पत्थर बनके ही जेल में सजा भोगती जा सकती हैं। राहुल जैसे केस में आने वाले लड़के अपनी अपनी स्टोरी एक दूसरे को बताते थे के कैसे उन्होंने उस लड़की को पटाया इम्प्रेशन किया कैसे उसके साथ सेक्स किया कैसे उसके साथ प्यार मोहब्बत में गुमे फिरे जुमे लढें झगड़े कितनी मुश्किले आई कितनी बार मिले।

दोस्तों वो पूरी Love Story सुनाते है जहां से जेल के पिंजरे में आने वाले रास्ते पर पहले कदम से लेकर कर जेल के पिंजरे में आखरी कदम रखने तक कि पूरी Love Story बताते है और जेल के पिंजरे में आने के बाद की 376 Love Story जेल के कैदी Live देखते है राहुल जैसे लड़को की के कैसे उनकी 376 Love story की ऐनडीग होती हैं अच्छी या बुरी तो दोस्तों आयो मैं भी आपको राहुल की और राहुल जैसे लड़को की और जो लोग ऐ प्यार मोहब्बत में ऐ गुनाह करने वाले है उनकी Love Story की ऐनडिंग बताता हूं कि कैसे उनकी Love Story का नाम 376 Love story में बदल गया और राहुल जैसे लड़को को उनके रास्ते कौन सी मंजिल तक पहुंचाते हैं और यह आप भी जान लें क्योंकि आप खुद उस रास्ते पर कही भुल से ना चले जाए और अगर चले

गये हैं तो मेरे दोस्त वापस लोट आयो नहीं तो तुम चाह कर भी लोट नहीं पायो गे राहुल की तरह।

दोस्तों राहुल ऐसे रास्ते पे चला गया है जहां से कोई लोट के नहीं आता। दोस्तों मेरी ऐ बात हमेशा याद रखना। आज-कल के लड़कों को प्यार मोहब्बत करने वाले को राजे मजनूं आशिक देवदास के ही नाम और ऐवोडूस नहीं मिलते। बदकिस्मत से कभी-कभी राहुल की तरह रेपिस्ट बलात्कारी के नाम और नाबालिग भोली भाली लड़कियो को फसा के उनके साथ उनकी जिदंगी के साथ खिलवाड़ करने की सजा भी भोगतनी पडती है और दाग धब्बे माथे पे कंलक जो शायद किसी विटामिन पावडर से नहीं धुलते। दोस्तों आजके जमाने में प्यार मोहब्बत करने वाले लोगों को हिर राजे मजनूं नहीं कहेंगे रेपिस्ट बलात्कारी 376 के नाम से जाने जाऐगे। दोस्तों मैं तो आपको ऐ बात रहा हूं के किस तरह से तुम प्यार मोहब्बत करके राहुल की तरह प्यार मोहब्बत में गुनाह करके जेल के पिंजरे में जाके सजा भोगतोगे राहुल का केस अब चालु होने वाला था और राहुल के साथ दूसरे कैदियों के भी केस चल रहे थे और दूसरे बहुत से कैदियों के केस के जजमेंट थे कोर्ट में यानी कि फेसले सुनाने थे कोर्ट से दोस्तों जेल के पिंजरे से और गुनाह भोगतने की सजा से बहुत कम कैदी छूट पाते हैं वो भी उपर वाले की मेहरबानी से। जेल में आज 12 कैदियों के केस का एक साथ फैसला जजमेंट था यानी कि सुनवाई थी जब उन कैदियों को फैसला सुनाके वापस जेल में लाया गया तो पूरी जेल में मातम

सन्नाटे का माहौल बन गया था वैसे तो जेल में हर दिन मातम और सन्नाटे का माहौल रहता है लेकिन ऐ माहौल राहुल के लिए बहुत भारी था क्यु की उन बारह कैदियों यो मैं से सिर्फ तीन कैदियों को निर्दोष जेल से छोड़ने का फैसला सुनाया गया था और बाकी के 9 कैदियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी उनमें से कोई मर्डर करके आया था तो कोई रेप बलात्कार करके तो कोई राहुल की तरह प्यार मोहब्बत में नाबालिग लड़की को भगाने के गुनाह में। इस लिए राहुल भी बहुत डर गया था के कही मेरा भी फैसला इन लोगों की तरह ही तो जज साहब नहीं सुनाऐंगे ना। राहुल उन बारह कैदियों के फैसले से इतना डर गया था के वो बिमार हो गया था और राहुल को जेल की होसपिटल में ले जाके इंजेक्शन बोटल लेनी पड़ी थी तो दोस्तों आप खुद उन 9 कैदियों के बारे में सोच के देखो के उनकी हालत केसी हुंई होगी ऐसे फैसले तो जेल के कैदियों को हर रोज सुनाऐ जाते हैं और उन तीन कैदियों को जो निर्दोष छोड़ने का फैसला सुनाया गया था उनमें से किसी ने जेल में 2 साल 3 साल तो किसी ने 1 साल 4 महीने जेल में समय बिताया था। जब वो जेल से छूट रहे थे तो उनकी आंखों से खुशी के आंसू थे वो बहुत खुश थे जैसे उन्होंने ने पूरी दुनिया ही जीत ली हो। दोस्तों ऐ खुशी को मैं ना शब्दों से लिख सकता हूं और ना ही लब्जो से बयां कर सकता हूं ऐ खुशी तो बस वही जाने जो जेल के पिंजरे से आजाद हूं वहां राहुल के लिए ऐसे फैसले और ऐसा माहौल नया था लेकिन जेल के और जेल के कैदियों के लिए नहीं।

राहुल दो दिन तक बिमार रहा जब राहुल ठीक होके जेल की होसपिटल से बैरक में आया तो सब राहुल को फिर से चिडाने लगे कहने लगे के तुझे दूसरे कैदियों के फैसले से चक्कर आते हैं और बिमार हो जाता है तो जब कोर्ट में जज साहब तेरे केस का फैसला सूनायेगे तो तू तो वही पे कोर्ट में ही हार्ट टेक से टपकं जाऐगा लेकिन ऐ भुल मत के तेरे मरने के बाद भी तेरी लाश को भी तेरे गुनाहों की सजा भोगतनी पडेगी। राहुल ने भी उनकी बाते बस चुप चाप सुन ली और सुनने के अलावा कर भी क्या सकता था जेल में ऐसी बातों पे कभी-कभी झगड़े भी हो जाते थे लेकिन राहुल ने जेल के नियम बहुत जल्दी सीख लिए थे और जेल में समय बिताने के तौर तरीके भी राहुल का किसी से किसी बात पे झगड़ा हो गया था। जिस कैदी से राहुल का झगड़ा हूंवा था उसकी और राहुल की दोनों की सिपाही ने पिटाई की और दोनों को अलग अलग बैरक में डाल दिया। राहुल को दुसरी बैरक में आके ऐसा लगा जैसे के वो आज और अभी जेल में आया हो। राहुल को फिर से उन सवालों से और उन नये माहौल से गुजरना था लेकिन राहुल को अब इन सब की आदत डाल लेनी पड़ेगी क्यु के जेल के नियमों में से एक नियम ऐ भी था के एक कैदी ज्यादा समय तक एक ही जगह पे यानी कि एक ही बैरक में नहीं रहे सकता और दो चार कैदी भी नहीं रह सकते। उनको साल में एक दो बार अलग अलग कर के अलग अलग बैरक में डाल देते हैं और नये लोगों से भी गुजरना था। जेल में अच्छे भी लोग गुनाह करके आते हैं और बुरे लोग भी गलत

काम करके आते हैं जेल में अलग अलग बहुत सी बैरक होती हैं जितनी बड़ी जेल होगी उतनी बैरक यानी के रहने सोने के लिये रुम होल होते हैं।

दोस्तों हर एक जेल दूसरी जेल से अलग होती है और हर जेल के नियम और कानून भी थोड़े बहुत अलग अलग होते हैं हर जिले में एक जिला जेल होती है और राहुल अभी तो सिर्फ जिला जेल में ही कैद था जब तक किसी आरोपी को सजा नहीं हो जाती, तब तक वो कैदी जिला जेल में रहता है और जिस कैदी को सजा हो जाती है उसे कहाँ की जेल में ले जाते हैं ये मैं आपको आगे बताता हूँ। राहुल को जवाबदार ने कहा कि किसी कोने में जगह लेकर वो अपना बिस्तर लगा ले और बैरक में शान्ति से रहे, नहीं तो उसकी हालत इससे भी ज्यादा बिगड़ जाएगी। नये बैरक में राहुल के दो दिन बीत गये थे। दोस्तों, जेल में अच्छे लोग बहुत मुश्किल और किस्मत से मिलते हैं। राहुल को पहली वाली बैरक के कैदी दोस्त बहुत याद आते थे, इतने कि वो प्रिया को भी याद नहीं करता था। ऐसा इसलिए क्योंकि जब भी वो कमजोर पड़ता, तो वे उसे हिम्मत देते। वह रोता, तो वे उसे आँसू पीने की ताकत देते थे और कभी-कभी साथ मिलकर हँसी-मजाक भी करते थे और कभी ग़म भी बाँट लेते थे लेकिन अब तो उपर वाला ही जाने कि राहुल को कितनी जेल और कितनी बैरकों में जाना था। राहुल की नई बैरक में दो-चार कैदी chess गेम खेल रहे थे। राहुल का भी मन हुआ उन्हें खेलते देखकर। राहुल ने उन कैदियों से दोस्ती की और जिस कैदी

की चेस गेम थी उससे कहा कि भाई, मुझे भी चेस गेम सिखाओ ना... मैं भी सिखना चाहता हूँ। पहले तो उस कैदी ने कहा कि ये बच्चों के खेलने की चीज नहीं है। राहुल ने जवाब दिया, "हाँ भाई, बच्चा था तभी तो प्यार करने की नादानी कर बैठा!" राहुल की ये बात सुनकर उस कैदी ने कहा, "भाई नहीं, बोस! सब मुझे यहाँ और बाहर बोस कहते हैं"। राहुल ने कहा, "बोस भाई, मुझे भी चेस गेम सिखाओ ना!" उस कैदी ने फिर से कहा, मेरा नाम बोस है, भाई नहीं... समझा!" राहुल ने कहा कि आप उम्र में बड़े हो मुझसे, मैं आपका सिर्फ नाम लेकर कैसे बुला सकता हूँ। बोस ने कहा कि ये जेल है, यहाँ कोई बड़ा-छोटा नहीं होता, सब एक जैसे हैं, फिर चाहे वो सच में रेप करके आया हो या मर्डर करके या तेरी तरह प्यार-मोहब्बत करके आया हो। यहाँ पर आतंकवादी भी हमारे जैसी ही सजा भुगतते हैं। बोस ने कहा, "हमारे देश के कानून की एक बात मेरी समझ में नहीं आती"। राहुल ने पूछा, "बोस, कौन-सी बात?" "यही, कि सब लोग अलग-अलग गुनाह करते हैं और वो भी अलग-अलग तरीके से लेकिन हमारे देश का कानून सारे गुनहगारों को एक जैसी ही सजा देता है?" बोस ने आगे कहा, "मैं अगर CM या PM होता, तो सारे गुनहगारों को उनके गुनाह के अनुसार सजा देता और अगर किसी ने मजबूरी में गुनाह किया हो, तो उसे माफ करके इस जेल के पिंजरे से आजाद कर देता.... और जो तेरी तरह प्यार में नादानी करके यहाँ आये हैं उन्हें उनकी गलती का एहसास हो जाए, तब उन्हें भी इस जेल के पिंजरे से आजाद कर देता... और

जिन लोगों ने अपनी खुशी के लिए मर्डर-रेप-बलात्कार किया हो, ऐसे गुनहगारों को और आतंकवादियों को फाँसी पर चढ़ा देता"। राहुल ने कहा, "...लेकिन आप भी तो इस जेल के पिंजरे में कैद हो!" "बोस ने कहा, "इसीलिए तो ये सब सोच रहा हूँ! बाहर होता, तो ये सब सोचने और करने का समय किसके पास होता! बाहर के दुनिया वालों को हमारे अन्दर की जेल की दुनिया की कोई परवाह ही नहीं है। ये तो हमारे देश का कानून बहुत अच्छा है कि हमें खाने के लिए दो टाइम का खाना, दो टाइम चाय, सुबह एक टाइम नाश्ता और नहाने-धोने, सोने के लिये बैरक दी है। हमें बाहर कमाने के लिए तो जाना ही नहीं पड़ता, सिर्फ आराम... और आराम!" राहुल ने कहा, "बोस भाई, सिर्फ चेस ही नहीं, बहुत कुछ सीखना है आपसे"। बोस ने कहा, "दोस्त, ये जेल बहुत कुछ सिखाती है, मगर यहाँ का सीखा हुआ बाहर की दुनिया में जाकर बहुत कम लोग इस्तेमाल कर सकते हैं। चल, आ... तुझे चेस सिखाता हूँ!" राहुल लगातार एक महीने तक बोस से चेस गेम में हारता रहा था। बोस ने कहा, "राहुल, जिदंगी भी एक शंतरज का गेम है। अगर तुम्हें जिदंगी के गेम के नियम नहीं आते और तुम जिदंगी के गेम के खिलाड़ी नहीं हो, तो तुम जिदंगी के गेम में जिदंगी ही हार जाओगे। जैसे शतरज के गेम में राजा फँस जाता है और गेम खत्म, उसी तरह से तू भी आज जेल के पिंजरे में फँस गया है, राहुल! तू तो पहले से ही जिदंगी की गेम हार गया है, तू क्या अब जीतेगा!" बोस की यह बात राहुल के दिलो-दिमाग को बहुत ठेस पहुँचाती थी । राहुल

अगले चार-पाँच दिनों में ही शतरंज के खेल का खिलाड़ी बन गया था और राहुल ने जब बोस भाई को शतरंज के गेम में हराया, तो बोस बहुत खुश हुआ, इतना कि उसकी आँखों से आँसू भी निकल गये। राहुल ने कहा कि मैंने जिंदगी का खेल सीखने में बहुत देर कर दी लेकिन अगर जिदंगी ने दुबारा मौका दिया, तो इस बार जिदंगी के खेल में जरूर जीतूँगा। बोस ने कहा, "राहुल, शतरंज और जिदंगी के खेल में दुबारा मौका नहीं मिलता। बस एक गलत कदम... और राजा बंदी बन जाता है!" राहुल ने कहा, "सही कह रहे हो बोस भाई, लेकिन जब ये राजा इस जेल के पिंजरे से आजाद होगा, तो जिन्दगी के हर एक पल में सदियों की जिंदगी जियेगा, चाहे फिर यहाँ से आजाद होने में एक साल या दो साल लगे या फिर 20 साल लगे।" राहुल अब शतरंज के खेल में इस तरह मास्टर बन गया था कि बोस भाई को एक बार भी जीतने नहीं देता था। राहुल ने अब जेल में दिन गुजारना सीख लिया था। सुबह उठकर श्रीमदभगवद्गीता का स्वाध्याय करता था। जेल की लाइब्रेरी से लाकर अलग-अलग किताबें पढ़ता था। राहुल उन किताबों से बहुत मनोरंजन, सहनशीलता, धैर्य-शक्ति, ज्ञान प्राप्त करने लगा था। राहुल ने जेल में समय बिताने के लिए खुद में ही एक अलग दुनिया बना ली थी। इन सबके बीच राहुल का केस भी कोर्ट में चल रहा था।

दोस्तों, बाहर के लोगों को लगता है कि एक केस का फैसला सुनाने में इतना समय क्यों लगता है। हर रोज हमारे देश में न जाने

कितने पुलिस स्टेशन में कितनी रिपोर्ट, कितनी एफआईआर दर्ज होती है, किसी को शायद नहीं पता होता है। एक जज के पास राहुल जैसे न जाने कितने केस एक साथ आते हैं और उन केसेज में आरोपी बताया गया आरोपी है कि नहीं, ये भी तो देखना और साबित करना पड़ता है। राहुल ने कहा, “बोस भाई, आप ठीक ही कहे रहे थे, ये जिदंगी एक गेम ही तो है। लड़कियाँ हमें अपनी खूबसूरत अदा से, अपनी भोली-भाली सूरत से अपने प्यार-मोहब्बत में पागल कर देती हैं और हम जैसे प्यार में पागल आशिकों का हाल ऐसा हो जाता है कि फिर हमारे नाम की पुलिस स्टेशन में जाकर रिपोर्ट लिखवाने की नौबत आ पड़ती है... और पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट लिखवाने के बाद हम जैसों को जेल के पिंजरे में ये कैद कर देते हैं... और जेल के पिंजरे में कैद करवाने के बाद कोर्ट में जज साहब हमारे नाम की चार्जशीट पढ़कर केस चलाकर हमारा फैसला सुना देते हैं। हम जैसों को Pocso 376 जैसी कलम के गुनहगार साबित कर उम्र कैद की सजा सुना देते हैं, हम जैसे प्यार-मोहब्बत में पागल आशिकों की Love Story के आगे 376 Love story लगा देते हैं। काश कि पहले से ही मुझे इस प्यार-मोहब्बत के खेल के नियम भी आते। अगर मुझे पता हतो कि इस खेल में इतना खतरा होता है कि अपनी पूरी जवानी जेल के पिंजरे में बंदी होकर भी गुजारनी पड़ जाती है, तो मैं कभी भी इस मौत से भी बदतर खतरनाक खेल को नहीं खेलता।” बोस ने कहा, “अब तो तू इस खेल में जाने-अनजाने में फँस ही गया है, इन सब

बातों का अब क्या मतलब!” राहुल ने कहा, “ मैं अपने बारे में बात नहीं कर रहा हूँ, मैं तो उन लड़कों की बात कर रहा हूँ, जो खूबसूरत नाबालिग लड़कियों से प्यार-मोहब्बत करते हैं या करने वाले हैं और उनकी, जो खूबसूरत लड़कियों के प्यार-मोहब्बत में पागल होकर मेरी तरह प्यार में भागकर शादी करना चाहते हैं। कही उनकी भी हालत और Love Story की एंडिंग मेरी तरह न हो”। बोस भाई ने कहा, “राहुल, सच में तू सच्चा प्यार करता है। तू खुद दुःख-दर्द तकलीफों में है, फिर भी तू दुसरों के दुःख-दर्द तकलीफों के बारे में सोच रहा है”। राहुल ने हँसकर कहा, “भाई, हम तो पहले से ही अच्छे थे, ये तो दुनिया के कुछ लोगों की वजह से हमें बुरा बनना पड़ा था।

अगर प्रिया के मम्मी पापा ने अपनी मर्जी से मेरी और प्रिया की शादी करवा दी होती, तो आज मैं जेल में सड़ नहीं रहा होता। शायद प्रिया मेरी बाँहों में होती और मैं उसकी बाँहों में”। बोस ने कहा, “अभी तक प्यार-मोहब्बत का नशा उतरा नहीं है?” राहुल ने कहा, “नहीं भाई, प्यार-मोहब्बत का नशा तो कब का उतर गया, लेकिन मैं सोच रहा था कि काश ऐसा होता… तब आज मेरी जिंदगी अलग होती”। बोस ने कहा, “सब हमारी मर्जी से नहीं होता। सबसे बड़ा खिलाड़ी तो ऊपर बैठा है और वो हमें शतरंज के प्यादों की तरह चला रहा है, नचा रहा है। राहुल, एक बात हमेशा याद रखना कि हमारे निर्णय से हमारे भविष्य का निर्माण होता है”। राहुल ने कहा, “सच है भाई लेकिन हमारे हालात और

परिस्थितियाँ ही हमें कभी-कभी गलत निर्णय लेने पर मजबूर कर देती हैं। बोस ने कहा कि ये भी सच है... और अब मुझे ऐसा लगता है कि तूने यहाँ आकर बहुत कुछ सीख लिया है। राहुल मजाक करते हुए बोला, “सच गुरु जी, मैंने बहुत कुछ सीख लिया है... तो अब मुझे यहाँ से अपने घर जाने दो”। राहुल की ये बात सुनकर बोस भाई बोले, ‘राहुल, अगर तुझे इस जेल के पिंजरे से आजाद करना मेरे बस में होता, तो कब का तुझे आजाद कर देता। दोस्त, तेरी आजादी के लिए तो मैं फाँसी पर भी लटकने के लिए तैयार हूँ।

राहुल ने कहा कि बोस भाई आप मुझे बाहर की दुनिया में मिले होते और बाहर ये सब सिखा देते, तो कितना अच्छा होता। इतना कहते ही राहुल, बोस भाई के गले से लिपटकर रोने लगा। बोस भाई ने कहा, “साले... तू मुझे भी रुलाऐगा”। राहुल ने कहा, “आप में बहुत हिम्मत है दर्द-तकलीफें सहने की”। बोस भाई ने कहा, “राहुल, मैं भी रोता हूँ। मुझे भी अपने घर-परिवार वालों की बहुत याद आती है। मेरी दो बेटियाँ हैं और उन्हें पता भी नहीं कि उनका ये बाप पाँच साल से जेल में कैद है। मेरी बेटियों को ये कहकर समझाते हैं मेरे परिवार वाले कि मैं दूसरेदूसरे राज्य में काम करने गया हूँ। मेरी वजह से उनका स्कूल भी बदलना पड़ा ताकि कोई उन्हें ये न कहे कि तुम्हारा बाप जेल में है। मेरी बीबी और मेरी बेटियाँ मेरे साले के यहाँ रहते हैं। तू सोच... क्या मुझे दर्द नहीं होता होगा? मैं जब कोर्ट से पैरोल लेकर घर जाता हूँ, तो मेरी बेटियों से झूठ बोलना पड़ता है। मैं भी रोता हूँ, लेकिन ये जेल है, यहाँ पर एक

भी बार हम अन्दर से टूट गये, तो वापस जुड़ने में बहुत मुश्किल होती है। यहाँ पर हमारे आँसू और दुःख-दर्द, तकलीफों की कोई कीमत नहीं, किसी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। यहाँ पर कोई भी नहीं, जो हमें हमारे दुःख-दर्द, तकलीफों से और इस जेल के पिंजरे से आजाद कर दे। यहाँ पर सबकी हालत एक जैसी है। भले गुनाह अलग-अलग हैं लेकिन सजा एक जैसी है। दोस्त, जेल में अपना दुःख-दर्द किसी को बताकर कोई फायदा नहीं। इसलिए मैं इसे अपने अन्दर दफना देता हूँ। और जेल को लोग यूँ ही जिन्दा लाशों का घर नहीं कहते, कब्रिस्तान में तो मुरदे को दफनाते हैं लेकिन जेल के बड़े पिंजरे में हम जैसे गुनहगारों को दफनाया जाता है... वो भी ज़िन्दा। फर्क बस इतना है कि कब्रिस्तान में मरने के बाद रूह तड़पती है और जेल के पिंजरे में मरने तक रूह तड़पती रहती है। दोस्तों, कोई भी इन्सान कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, चाहे उसके पास प्रॉपर्टी-पैसा भी क्यों न हो, जेल के पिंजरे में जाने के बाद कमजोर पड़ ही जाता है। बड़े-बड़े डॉन और राजनेता भी जेल का नाम सुनकर काँप जाते हैं क्योंकि जेल के पिंजरे ने न जाने कितने शेर जैसे लोगों को कुत्तों की तरह जिदंगी जीने पर मजबूर कर दिया है और न जाने कितने राहुल जैसे राजकुमारों को भी, जो बाहर की दुनिया में अपने घर परिवार के राजकुमार थे।

जेल में कैदी की हालत गुलामों से भी बदतर होती है । बोस भाई ने राहुल से कहा, “तू अकेला यहाँ गुनाह करके नहीं आया... यहाँ जेल में तेरे जैसे कितने आये और कितने गये, कितने तेरे साथ

जेल के पिंजरे में सजा भुगते रहे हैं। हम जैसे गुनहगार जब गुनाह करते हैं, तो अकेले होते हैं लेकिन जब जेल के पिंजरे में आकर सजा भुगतनी पड़ती है, तो सारे गुनहगारों के साथ सजा भुगतनी पड़ती है। दोस्त, न अकेले मरने में मजा है और न ही अकेले जीने में मजा है लेकिन सबके साथ सजा भुगतने का मजा ही कुछ अलग है। इसलिए तू जब तक इस जेल के पिंजरे में है, तब तक मजे से सजा भुगत। रोकर सजा भुगतने से अच्छा है कि हँसकर ये जेल की सजा भोग ले। राहुल की बैरक में शाम-सुबह को नमाज पढ़ी जाती थी और पूजा भी होती थी और राहुल की बैरक में दो तीन पागल हो गये कैदी भी थे। राहुल ने जेल में आने के बाद बहुत बुरे काम करने वाले लोगों को भी देखा और उसने ये भी देखा कि कोई इन्सान इतना बुरा काम भी कैसे कर सकता है । एक कैदी नया आया था राहुल की बैरक में... और वो कैदी 12 साल की बच्ची का रेप करके आया था।

राहुल सोच रहा था कि इन जैसों की वजह से हम जैसों की ये हालत हो रही है क्योंकि ये साले छोटी-छोटी बच्चियों का रेप करते हैं और सरकार को नये नये कानून बनाने पड़ते हैं। इन कानूनों में हम जैसे जो सिर्फ प्यार-मोहब्बत के अलावा कुछ और समझते ही नहीं । दोस्तों, कानून की नज़र में तो वो, जो सच में 12 साल की लड़की का रेप करके आया है और राहुल, जो प्रिया नाम की नाबालिग लड़की से प्यार-मोहब्बत में शारीरिक संबंध बनाकर भगा कर आया है, इन दोनों ही कानून की नज़र में एक जैसे गुनहगार हैं और

इन दोनों पर एक जैसी ही कानून की कलम लगाई गई है और शायद सजा भी एक जैसी देंगे। राहुल को उसे देखते ही बहुत गुस्सा आता था लेकिन राहुल कर भी क्या सकता था क्योंकि कोई भी गुनाह करता है, तो उस गुनहगार को सजा देने का हक सिर्फ हमारे देश के कानून के पास ही है, न पुलिस वालों के पास और न उन पीड़ितों के पास, जिनपर बीती हो। एक दूसरा कैदी भी आया था मर्डर केस में। उसकी बहन की मर्जी के बिना उसके शरीर का शोषण हो रहा था। उससे ऐ बर्दाश्त नहीं हुआ, तो उसने गुस्से में पागल होकर मर्डर कर दिया।

राहुल ने कहा, “भाई, तूने कोई गुनाह नहीं किया। बस तूने तो अपने भाई होने का फर्ज निभाया है। मैं तेरी जगह होता, तो मैं भी शायद यही करता और तुने तो अपनी बहन को नर्क से उस राक्षस के चंगुल से निकालने के लिए ये सब किया है। इसलिए दुःखी मत हो। भगवान करे कि तू यहाँ से छूट जाये क्योंकि जब ऊपरवाला गुनाहों की सजा देता है, तो इस कानून की तरह गवाह और सबूतों को मद्देनजर में रखकर नहीं देता, वो तो बस सत्य-असत्य, धर्म-अधर्म को देखकर सजा देता है। मेरा दिल कहता है कि धर्म तेरे पक्ष में है और सदैव धर्म की ही जीत होती है। इसलिए, तू ऊपरवाले से प्रार्थना कर, वो तुझे जरूर यहाँ से छुड़ा ले जाएगा और मुझसे भी तेरी जितनी मदद हो सकेगी, मैं करूँगा”। राहुल ने उस कैदी को अपने दो जोड़ी कपड़े दिये। वो कैदी भी जेल में राहुल की तरह शायद उससे भी ज्यादा दुःख-दर्द, तकलीफों से गुजरा था, लेकिन

ऊपरवाले ने उसकी सुन ली। वो कहते हैं न कि ऊपरवाले के घर देर है लेकिन अंधेर नहीं। कुछ ऐसा ही चमत्कार उस कैदी की जिदंगी में भी हुआ और वो कैदी 1 साल 6 महीनों के बाद निर्दोष साबित हुआ और जेल से छूट गया।

जब वो कैदी छूट गया, तो राहुल से आखिरी बार मिलने के लिए राहुल के पास आया । राहुल के गले से लिपटकर वो कैदी रोने लगा। राहुल ने कहा कि भाई तुझे सजा नहीं सुनाई गई है, तुझे तो खुश होना चाहिये कि तुझे इस जेल के पिंजरे से आजाद कर दिया है। उस कैदी ने रोते-रोते कहा कि राहुल तू तो साले हमेशा रोता रहता था, लेकिन आज तेरी आँखों में आँसू की एक बूँद भी नहीं है। देख, मैं भी तुझे इस नर्क में छोड़कर जा रहा हूँ। राहुल ने कहा, “दोस्त! तू इस जेल के पिंजरे से आजाद होकर अपने घर जा रहा है। अगर अभी मेरी आँखों से एक बूँद भी आँसू बहे, तो मेरी दोस्ती पर दाग लग जाएगा”। राहुल हँसकर बोला, “वैसे तो मेरी जिदंगी में मेरे ऊपर और भी बहुत दाग लगे गये हैं, प्यार-मोहब्बत में Pocso 376 रेपिस्ट जैसे दाग हैं... पर अब मैं अपनी दोस्ती पर दाग नहीं लगने दूँगा”। ये सुनकर वो कैदी राहुल के गले से लिपटकर बहुत रोया। राहुल ने उस कैदी को दोस्ती की कसम देकर शान्त किया और कहा, “दोस्त, तू मेरा एक काम करेगा?” उस कैदी ने कहा, “दोस्त, तू बोले तो अपनी जान भी दे दूँ”। राहुल ने कहा, “दोस्त, मेरी उम्र भी तुझे लग जाए!” राहुल ने उस कैदी से कहा, “दोस्त, मेरे घर जाना। मेरे मम्मी-पापा से कहना कि मेरी

चिंता न करें और मेरी तरफ से माफी भी माँग लेना, कहना कि मैंने अपने धर्म और कर्त्तव्य का पालन नहीं किया, मैं तुम्हारे बुढ़ापे का सहारा नहीं बन पाया, मैं तुम्हारी सेवा भी नहीं कर पाया और मैंने प्रिया के प्यार-मोहब्बत में पागल और अन्धे होकर कभी भी आपकी बात नहीं मानी। इसलिए शायद ये सजा भुगत रहा हूँ। मैं आप सबसे दूर भाग गया था न और देखो मम्मी पापा, भागते-भागते कहाँ आ गया हूँ कि मैं खुद चाहूँ, तो भी वापस नहीं लौट सकता। और मेरी छोटी बहन से कहना कि अपना खुद ही ध्यान रखे और कहना कि अपनी राखी खुद ही अपनी कलाई पर बाँधकर अपनी खुद की रक्षा करे क्योंकि तेरा ये भाई तो भगोड़ा निकला, जो एक लड़की के लिए अपने पूरे घर-परिवार को छोड़कर भाग गया था। हो सके, तो तेरे इस नादान- नासमझ भाई को माफ कर देना"। राहुल इतना कहकर उस कैदी के गले से लिपट गया। उस कैदी ने राहुल से कहा, "अब तेरी फैमिली मेरी फैमिली है। तू अब जरा भी चिंता मत करना। मैं तेरा फ़र्ज निभाऊँगा। मैं तेरे मम्मी-पापा का बेटा बनूँगा और तेरी बहन को अपनी बहन मानूँगा... और तू तो जानता है दोस्त कि मैंने एक बार किसी को वचन दे दिया, तो तोड़ता नहीं। इसलिए ये कभी मत सोचना कि मैं यहाँ से बाहर जाकर तुझे और हमारी दोस्ती को भूल जाऊँगा। ये वादा है मेरा!" उस कैदी ने जाते-जाते अपने सारे कपड़े दूसरेदूसरे कैदियों में बाँट दिये। सिपाही ने उस कैदी से कहा, "चल… बहुत हो गया श्री कृष्ण और सुदामा का मिलन!" राहुल के भी जेल में दो साल बीत गये

थे। दोस्तों, मैंने राहुल को जेल के पिंजरे में रोते-गिड़गिड़ाते, लाचार-बेबस, कमजोर, तड़पते देखा है। उसके दर्द, उसकी तकलीफों को मैंने महसूस किया है। राहुल की हँसती-खेलती, खुशियों से भरी जिंदगी को जेल की दीवारों के पीछे दर्दनाक, खौफ़नाक, जो हर पल मौत से बदकर है, हर पल मरते हुए और हर रोज शाम-सुबह घर आने के लिए अपने घर-परिवार, दोस्तों के पास आने के लिए बाहर की हँसती-खेलती दुनिया में खुशियों से भरी जिंदगी जीने के लिए तड़पते, रोते हुए मैंने देखा है। राहुल के दर्द को मैंने महसूस किया है। मैं ऊपरवाले से और नीचे रहने वाले लोगों से सिर्फ एक ही बात कहना चाहता हूँ कि जेल में जाना पड़े, ऐसा गुनाह कभी ऊपरवाला आपसे न करवाए और तुम खुद भी मत करना। किसी लड़की के प्यार-मोहब्बत में पड़कर किसी लड़के को राहुल की तरह जेल के पिंजरे में कैद होकर उन दर्द-तकलीफों से गुजरना न पड़े। दोस्तों, उस रास्ते पर सपने में भी जाने की हिम्मत मत करना। जेल के अंदर जाने के बहुत से रास्ते हैं, लेकिन वापस आने के लिए शायद एक भी रास्ता आपको नहीं मिलेगा। महाभारत में अभिमन्यु चक्रव्यूह में चला तो गया था, लेकिन वापस नहीं निकल पाया था। अभिमन्यु को तो फिर भी मौत ने उस चक्रव्यूह से छुड़ा लिया था, लेकिन दोस्तों... तुम्हें तो जेल के चक्रव्यूह से मौत भी नहीं छुड़ा सकती क्योंकि जेल के पिंजरे में गुनहगारों को मौत भी नहीं देते... मौत के लिए तड़पाते हैं! तुम खुद जेल के पिंजरे में मरने के लिए रास्ते, वजह ढूँढ़ोगे लेकिन जेल में

मरने के भी सारे रास्ते बंद कर दिये जायेंगे। जेल के पिंजरे में तो मौत भी आने से डरती है। जेल के पिंजरे में राहुल जिन्दा होने के बाद भी मुर्दा जैसा ही था। जो लोग बाहर की दुनिया से गुनाह करके जेल की दुनिया में जाते हैं, वो लोग जैसे कि मरने के बाद दूसरी दुनिया में चले जाते हैं... नर्क में। वैसे ही राहुल जैसे लड़के जेल की दुनिया में खो जाते हैं। दोस्तों, मैं मौत से नहीं डरता और जो मौत से डरता हो, ऐसे इन्सान को प्यार-मोहब्बत करने का कोई हक़ नहीं है, लेकिन मैं मौत से आने से पहले की मौत से बहुत डरता हूँ और वो मौत आखिरी साँस निकलने तक तड़पाती है, वो मौत से भी बदतर एक दर्दनाक जिदंगी देती है। ऐसी जिदंगी जीने से अच्छा मैं एक पल में मरना पसंद करूँगा... और मैं तुम्हें भी कहता हूँ, दोस्तों... मौत तो एक दिन सबको आनी है, लेकिन उस मौत से पहले हर पल, हर दिन तड़प-तड़पकर, घुट-घुटकर मरना पड़े, ऐसा प्यार-मोहब्बत में काम मत करना। इसे मेरी कायरता मत समझना, ये समझदारी है। आज के समय में तो समझदार बनना ही वीरता है और वीरता दिखाना मूर्खता है।

दोस्त, ये जो आजकल के लड़के, लड़कियों के आगे-पीछे घूमते हैं और वे लड़के भी, जो लड़कियों को घुमा रहे हैं प्यार-मोहब्बत में.... कल शायद लड़कियाँ भी उन लड़कों को प्यार-मोहब्बत में पुलिस स्टेशन से लेकर कोर्ट और जेल की अच्छे सैर करवाएँगी। दोस्तों, मैं आपको ये सब क्यों बता रहा हूँ पता है? राहुल जैसे न जाने कितने लोग प्यार-मोहब्बत में फँसकर 376

Love Story के शिकार हो गये हैं और प्यार करने की सजा भुगत रहे हैं... और न जाने कितने राहुल जैसे लोग प्यार-मोहब्बत के जाल में फँसकर के 376 Love Story के शिकार बनेंगे... और हर रोज न जाने कितने लड़के 376 Love story के शिकार बनते हैं। दोस्तों, मैं नहीं चाहता कि राहुल की तरह तुम भी प्यार-मोहब्बत के जाल में फँसकर 376 Love Story के शिकार बनो और न ही तुम प्यार-मोहब्बत, ईश्क करने की सजा भुगतो जेल के पिंजरे में कैद होकर। इसलिए, मैं आप सबको ये सच्चाई बता रहा हूँ।

दोस्तों, मैं ये बात बहुत अच्छी तरहा से जानता हूँ कि खुद को प्यार-मोहब्बत, इश्क करने से या फिर प्यार-मोहब्बत में पड़ने से खुद को रोकना, समझाना कितना मुश्किल है। एक गई, तो दूसरी आएगी और दूसरी गई, तो तीसरी ढूँढ़ लेंगे। चाहे कुछ भी हो जाये, एक लड़के को एक काली-गोरी लड़की चाहिये ही चाहिये। शायद सब जानते हैं कि लड़कों को इतनी ज्यादा जरूरत क्यों है लड़कियों की, लेकिन शायद आपको एक दिन इन खूबसूरत लड़कीयों से बहुत नफ़रत करने की नौबत न आए। दोस्तों, प्यार-मोहब्बत नफरत में न बदल जाये, ऐसी मोहब्बत मत करना और न ही ऐसा कोई गलत कदम उठाना। दोस्तों, मानो कि कहीं से तुम्हें अमरत्व मिला और तुमने उसे पी लिया और तुम अमर हो गये.... लेकिन तुम्हें पकड़कर जेल के पिंजरे में ले जाकर जिदंगी भर के लिए बंद कर दे, तो वह अमरत्व का निरर्थक होगा। ऐसा अमर होने का वरदान भी अभिशाप बन जायेगा। तुम वहाँ पर जहर माँगोगे मरने के लिए,

मरने की दुआ माँगोगे, लेकिन तुम्हें मौत भी नहीं आएगी क्योंकि तुमने तो प्यार का अमृत पिया हुआ होगा। दोस्तों, मैं ये बात भी जानता हूँ कि प्यार अमृत है, लेकिन मैं आपको बस इतना समझाने की, बताने की कोशिश कर रहा हूँ कि अमृत को जहर मत बनाना!

आज के जमाने में जो लोग सच में प्यार-मोहब्बत करते हैं, उन्हें जेल के पिंजरे में जाकर सजा भुगतनी पड़ती है और जो लोग भोली-भाली लड़कियों को फँसाकर अपनी हवस का शिकार बनाते हैं, वो लोग मजे से बाहर की दुनिया में आजादी की जिंदगी जीते हैं। दोस्तों, प्यार-मोहब्बत, इश्क तो खुशी देता है, सुकून देता है, जिंदगी देता है... हर पल, हर शाम-सुबह जिंदगी जीने की शक्ति देता है, आजादी देता है लेकिन आज के जमाने में प्यार-मोहब्बत, इश्क में बेशुमार दर्द मिलता है, पूरी तरह से सुख-चैन छिन जाता है, मौत से भी बदतर जिंदगी देता है। प्यार में हर पल, हर सुबह-शाम मरने की दुआ करते हैं। आजाद जिंदगी से छुड़ाकर जेल के पिंजरे में बंदी जिंदगी जीने पर मजबूर कर देता है।

दोस्तों, ऐसे प्यार-मोहब्बत का क्या अर्थ होगा, जो खुशी के बदले दर्द दे... सुकून के बदले बैचेनी और तड़प दे, जिंदगी के बदले मौत से भी बदतर जिंदगी दे और आजादी के बदले नर्क जैसे जेल के पिंजरे में ले जाये। ऐसे प्यार-मोहब्बत, इश्क का क्या अर्थ है? क्यों तुम प्यार-मोहब्बत में अपनी जिंदगी बर्बाद कर रहे हो? राहुल की तरह क्या जिस्म को पा लेने से तुम्हारी मोहब्बत पूरी हो

जायेगी? दोस्तों, सच्चे प्यार को जिस्म मिले या न मिले, तब भी वो प्यार पूरा है, सच्चा है, पवित्र है। जो लड़के प्यार-मोहब्बत, इश्क के नाम पर नाबालिग लड़कियों को अपने झूठे प्यार-मोहब्बत के जाल में फँसाकर उनके साथ शारीरिक संबंध बनाते हैं, उनकी भी हालत राहुल जैसे जेल में सड़ रहे लड़कों की तरह हो जाएगी। तो दोस्तों, तुम अगर किसी नाबालिग लड़की को पंसद करते हो या फिर प्यार-मोहब्बत करते हो, तो ऐसी नाबालिग लड़कियों से दूर रहना। चाहे उनकी मर्जी हो, तब भी नाबालिग लड़कियों के साथ शारीरिक संबंध मत बनाना... नहीं तो नाबालिग लड़की को अपने झूठे प्यार के जाल में फँसाकर सेक्स करने के जुर्म में Pocso 376 कलम लगाकर और उसके अनुसार बलात्कारी, गुनहगार बनाकर बीस साल की उम्रकैद की सजा देंगे... और तुम्हें भुगतनी पड़ेगी। तो दोस्तों, ऐसे झूठे प्यार-मोहब्बत, इश्क के चक्कर से दूर ही रहना, नहीं तो तुम जेल में चक्कर मारते रह जाओगे। और लड़कियाँ भी इस बात को अच्छे से जान लें और समझ लें कि ऐसे झूठे प्यार-मोहब्बत करने वाले लड़कों से दूर रहें जिन्हें प्यार-मोहब्बत के नाम पर तुम्हारा जिस्म चाहिये। आज के जमाने में लड़कियों को अपने लिए कौन अच्छा है, कौन बुरा है इसकी पूरी तरह से समझ होनी चाहिए। आज के जमाने में लड़कियों को स्वयं अपनी रक्षा करनी होगी। आप किसी के भरोसे मत बैठे रहना।

राहुल की बैरक में एक 36 साल का स्कूल टीचर आया था। अपने ही क्लास रूम में पढ़ने वाली लड़की को अपने प्यार-

मोहब्बत के जाल में फँसाकर उस लड़की के शरीर का शोषण करके अपने प्यार-मोहब्बत के जाल में फँसाकर भगा कर आया था। उस लड़की की उम्र सिर्फ 15 साल 9 महीने ही थी। वो उस स्कूल टीचर की आधी उम्र की भी नहीं थी। आजकल की लड़कियों को समय से और उम्र से पहले ही प्यार-मोहब्बत चाहिये, तो ऐसे स्कूल टीचर जैसे लोग तो प्यार-मोहब्बत के नाम पर उनके शरीर का शोषण बहुत आसानी से कर सकते हैं। लड़कियों को भी ऐसे शरीर के भूखे भेड़ियों से बचना सीखना चाहिये और सतर्क रहना चाहिए। इन सबमें कहीं–न-कहीं लड़कियों के माता-पिता, घर-परिवार वाले, ये समाज वाले, आजकल की एजुकेशन, नॉलेज देने वाले, ये सब जिम्मेदार हैं और लड़कियाँ खुद भी जिम्मेदार हैं क्योंकि एक लड़की के आसपास न जाने कितने हवस के भूखे भेड़िये घूमते रहते हैं। उन्हें इन सब खतरों का जरा-सा भी अन्दाज़ा नहीं होता। हर एक लड़की को अपनी रक्षा स्वयं करने की शिक्षा देनी चाहिए, जो मिलती नहीं है और लड़कियाँ भी इन खतरों से अनजान रहती हैं और शरीर के भूखे भेड़ियों के हवस का शिकार बनने के बाद सब आँसू बहाते हैं और पुलिस स्टेशन, कोर्ट के दरवाजे खटखटाते हैं। हमारे देश के लोगों में बेटियों के लिए बहुत रिस्पेक्ट, हिम्मत एकता, साहस, हौसला, दया, ज्ञान, मान-मर्यादा है लेकिन जब तक उन लड़कियों की इज्जत को कोई भेड़िया अपनी हवस का शिकार न बनाये, तब तक ये सब अपने अन्दर से बाहर नहीं निकालेंगे। दोस्तों, महाभारत में दुर्योधन की हिम्मत तो देखो

कि उसने बड़े-बड़े शूरवीरों, महारथियों और दानवीरों, ज्ञानियों के सामने ही द्रौपदी को नग्न करने का साहस किया था। उस राजसभा ने एक स्त्री के अत्याचार को बस चुपचाप सह लिया था और उन सबके मौन ने महाभारत जैसा युद्ध करवा दिया और अन्त में सबका विनाश ही हो गया। आज के जमाने में किसी दुर्योधन में इतनी हिम्मत नहीं होनी चाहिए कि हमारे होते हुए हमारी आँखों के सामने किसी लड़की पर ऐसा अत्याचार करने की कभी सपने में भी हिम्मत करे क्योंकि भगवान राम कहते हैं – 'भय बिनु होइ न प्रीति'। अगर बुरे लोगों के दिलो दिमाग में डर न हो, तो वे खुले आम गलत काम करेंगे। बुरे लोगों के दिलो दिमाग में हमारे देश की सरकार, आर्मी, पुलिस, कोर्ट का और हमारे देश की एकता का, हर एक नागरिक का डर होना चाहिये। तभी वे गुनाह करने से डरेंगे। ऐसे गुनहगारों को तो सजा जरूर होनी चाहिये। इसलिये कोर्ट ने भी उस आरोपी स्कूल टीचर को Pocso 376 और दूसरी भी ऐसी कलम पर आधारित उम्र कैद की सजा दी। राहुल ने इतने समय में न जाने कितने ऐसे केसेज के फैसले अपनी आँखों से देख लिये थे और न जाने कितने ऐसे केसेज को, और कितने गुनहेगारों को देखना था उसे, ये तो बस ऊपरवाले को ही पता था। राहुल का कोर्ट में तारीखों पे तारीखें आना-जाना तो महीने में दो बार चल ही रहा था और कोर्ट में केस भी चल रहा था। राहुल के केस का फैसला ही राहुल की 376 Love Story का फैसला करेगा और 376 Love Story की एंडिंग होगी या फिर ये 376 Love story की एक नई

शुरुआत होगी, जो राहुल को इसे भी ज्यादा दुःख-दर्द, तकलीफों से गुजरने पर मजबूर कर देगी। राहुल का जेल का ये सफ़र कब खत्म होगा, ये तो कोर्ट का फैसला सुनने के बाद ही पता चलेगा।

राहुल बैरक के ओडर वोचमेन पके कैदी से बात कर रहा था। उसने बातों-बातों में पूछा कि आप जेल में कितने सालों से हो। ओडर वोचमेन ने गुस्से में आकर कहा कि जेल में दो सवाल कभी भी किसी कैदी से नहीं पूछने चाहिये और पके कैदियों से तो भूल से भी नहीं, जिन्हें सजा सुनाई गई हो क्योंकि जेल के कैदियों में इतनी हिम्मत नहीं होती कि वो अपने अतीत में झाँक सके और न ही भविष्य में झाँकने की हिम्मत होती है। और अगर एक कैदी ने अपने अतीत में बार-बार झाँकने की भूल की, तो अपने बीते हुए कल में जो गलतियाँ की हैं, उन गलतियों की सजा हिम्मत से कभी भी नहीं भुगत पायेगा। वो पूरी तरह से टूट जायेगा और वो अतीत के घाव फिर से हरे हो जाएँगे... और राहुल, तुम्हें तो अब ये सब अच्छी तरह से पता चल ही गया होगा कि जेल के घाव कभी भी अश्वत्थामा के माथे के घाव की तरह कभी भी भर नहीं सकता। उसी तरह एक इंसान जब तक इस जेल के पिंजरे में रहेगा, उसका घाव कभी नहीं भरेगा और भविष्य में तो कोई भी जेल का कैदी झाँकने की हिम्मत कर ही नहीं सकता क्योंकि बाहर की दुनिया के भविष्य में झाँकने से आनंद, सुख-चैन उनकी खुशबू, सुगंध, उम्मीद, साहस, हिम्मत, शक्ति, सूरज की किरण, परिवर्तन, शांति, आजाद जीवन और अपने अच्छे कर्मों की छवि दिखाई देती है,

लेकिन जेल की दुनिया के भविष्य में झाँकने से दुःख-दर्द, पीड़ा, तकलीफ़ें, अशांति, दुर्गंध, आँसू, अन्तं, घोर अन्धकार, बंदी जीवन, अपनी कायरता, लाचारी, बेबसी, अपने बीते हुए गुनाहों की छवि देखाई देती है और खुद को इस जेल के पिंजरे में कैदी बनकर अपने ही गुनाहों की सजा भुगतते देखता है, जिससे वो कैदी इतना डर जाता है कि वो अपना भविष्य ही भूल जाता है। राहुल, तुम बताओ... क्या तुम खुद अपने अतीत और भविष्य में झाँकने की हिम्मत करोगे? राहुल ने कहा, "कभी नहीं! मुझमें इतनी हिम्मत नहीं है अब। खुद को बहुत मुश्किल से संभाला है"। राहुल ने ओडर वोचमेन से माफी माँगते हुए कहा, "मुझे माफ कर दीजिए, अगर मेरी बातों से आपके दिल को तकलीफ पहुँची हो!" ओडर वोचमेन ने कहा, "राहुल, अगर जेल के पिंजरे में आने के बाद भी किसी कैदी के पास ऊपरवाले की मेहरबानी से हिम्मत बच जाती है, तो वो हिम्मत बस अपना वर्तमान जीने में लगा दे क्योंकि जेल में वर्तमान बिताना बहुत मुश्किल है।

राहुल की बैरक में सलीम नाम का दूसरा लड़का था और सलीम भी राहुल की तरह पूजा नाम की एक लड़की के प्यार-मोहब्बत के नशे में पूजा को घर से अपने साथ भगा कर आया था। पूजा की उम्र भी सिर्फ 17 साल 9 महीने थी। इसलिए, सलीम भी नाबालिग लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाने और उसे भगाने का गुनाह करने के जुर्म में जेल के पिंजरे में कैद था। सलीम के केस का फैसला था आज कोर्ट में। सलीम कोर्ट गया था। राहुल और

दूसरेदूसरे कैदी बैरक में सो गये थे। जेल में नींद न आए, तो भी समय होने पर सो जाना ही पड़ता है और शायद ही जेल के पिंजरे में किसी को सुकून भरी नींद आयेगी। सलीम जब शाम के 04:00 बजे कोर्ट से आया, तो रोते-रोते आ रहा था। बैरक में दूसरेदूसरे कैदी सलीम को रोते देख समझ गये थे के कोर्ट में क्या फैसला सुनाया गया होगा। सलीम से फिर भी दूसरे कैदियों ने पूछा कि क्या फैसला सुनाया कोर्ट ने। सलीम से बोला भी नहीं जा रहा था इतना वो दर्द से गुजर रहा था, फिर भी बताया कि उसेउम्रकैद की सजा सुनाई गई है।

दोस्तों, इतना ही नहीं, सलीम मुस्लिम लड़का था और पूजा हिन्दू लड़की थी। इसलिए, अगले दिन अखबारों में सलीम की फोटो के साथ गुनाहों की पूरी रिपोर्ट छप गई थी। अखबारों में सलीम और पूजा के प्यार-मोहब्बत को लव-जेहाद साबित कर दिया गया था। राहुल ने कहा, "सलीम, तू तो मुस्लिम है, इसलिए शायद पूजा के घर-परिवार वाले नहीं माने होंगे तुम्हारी शादी के लिए लेकिन मैं तो हिन्दू ही हूँ, फिर भी प्रिया के घर-परिवार वाले नहीं माने हमारी शादी के लिए। दोस्त, आज के जमाने में सच में प्यार-मोहब्बत, इश्क करना गुनाह बन गया है और इसलिए हम जैसे आशिकों की ये सजा है"। राहुल ने बोस भाई से कहा कि सच में इस दुनिया में सबसे दर्दनाक मौत होगी, तो जेल के पिंजरे में हर पल, हर दिन तड़पते मरने का दर्द। बोस भाई ने कहा, "हाँ, मुझे ये बहुत अच्छी तरह से पता है"। राहुल ने कहा, "बोस भाई, आपको

पता था, तो मुझे यहाँ जेल के पिंजरे में आने से पहले ही कह दिया होता, तो कितना अच्छा होता। यहाँ जेल के पिंजरे में फ्री में कम्पनी देने के लिए बुलाया है"। बोस भाई ने कहा, "दोस्त, मुझे भी यहाँ आने के बाद पता चला। मुझे किसी ने नहीं कहा कि आगे मौत का कुआँ है, तो मैं क्यों किसी को कहूँ"।

दोस्तों, मेरी ये बात हमेशा याद रखना। प्यार-मोहब्बत सब करते हैं और सबने किसी-न-किसी से प्यार-मोहब्बत की होगी और करते होंगे। हर रोज न जाने कितने लड़के-लड़कियाँ प्रपोज करके प्यार-मोहब्बत करके अपनी नई Love Story की शुरुआत करते होंगे और हर रोज न जाने कितने लड़के-लड़कियाँ ब्रेकअप करके अपनी Love Story की एंडिंग करते होंगे। न जाने कितने लड़के-लड़कियाँ इस दुनिया में अकेले या सिंगल रहते होंगे और न जाने कितने लोगों को शायद मजबूरी में अकेले रहना पड़ता होगा और न जाने कितने लड़के-लड़कियों को प्यार-मोहब्बत करने वाले अलग करते होंगे। ये दुनियावाले समाज के नियम-कानून, कायदे, गरीबी-अमीर का फर्क, ऊँच-नीच, जात-पात, धर्म और घर-परिवार के कारण, कामयाबी-नाकामयाबी के कारण न जाने कितने लड़के-लड़कियों की Love Story मजबूरी में एंडिंग होती होगी और उन्हें ब्रेकअप करके अलग होना पड़ता होगा।

मेरे दोस्तों, तुम अकेले ऐसे इन्सान नहीं होगे। अगर इस दुनिया में प्यार-मोहब्बत में कामयाबी, सक्सेस हासिल नहीं कर पाये, तो

मर नहीं जाओगे और न ही तुम अकेले रहे जाओगे। दोस्तों, जिंदगी में सिर्फ प्यार-मोहब्बत, इश्क ही सबकुछ नहीं होता और अगर सबकुछ भी है, तब भी उस प्यार-मोहब्बत, इश्क को पाने के लिए सब्र या कहें कि धैर्य रखना पड़ता है, त्याग करना पड़ता है। तुम जिसे भी प्यार करते हो या फिर तुमसे जो भी प्यार करता है, उसकी और अपनी जिंदगी की खुशियों के लिए अगर अलग होना पड़े, तो अलग हो जाना आँखों में आँसू, दिल में दर्द लेकर, लेकिन मेरे दोस्तों, प्यार-मोहब्बत, इश्क के नशे में पागल होकर भागने की गलती मत करना और न ही कभी प्यार-मोहब्बत के जोश में गलत काम करना। नहीं तो शायद तुमको भी राहुल जैसे कितने लड़कों की तरह जेल के पिंजरे में कैद होकर मजबूर बनकर सजा भुगतनी पड़ेगी।

संजय नाम का एक लड़का राहुल के पास आया, यानि कि जेल के अंदर आया। संजय का भी केस राहुल के केस जैसा, या शायद उसे भी ज्यादा भारी केस था। संजय भी काजल नाम की एक लड़की से प्यार करता था। संजय और काजल प्यार-मोहब्बत के नशे में इतने हद से ज्यादा आगे गुजर गये थे कि वे दोनों चाह कर भी वापस नहीं लौट सकते थे। संजय और काजल प्यार-मोहब्बत के नशे में एक-दूसरेदूसरे से अकेले में मिलने-जुलने लगे, एक साथ घूमने-फिरने लगे और वे दोनों वो सब करने लगे, जो पति-पत्नी करते हैं। शादी के पहले उनके बीच वो सब होने लगा, जो प्यार-मोहब्बत में एक लड़का-लड़की करते हैं। सेक्स-सम्भोग किया। ऐसे

वो एक-दूसरेदूसरे से बहुत बार मिलते रहे और एक दिन काजल रोते-रोते संजय के पास आकर बोली कि वो प्रेग्नेंट है और उसका तीसरा महीना चल रहा है। काजल बस इतना कहकर चुप हो गई और रोने लगी। संजय भी पूरी तरह से चुप था और पूरी तरह से शॉक हो गया था। संजय सोच रहा था कि काजल को क्या जवाब दे। वह अब अपने और काजल के घर-परिवार वालों को क्या मुँह दिखायेगा। वे दोनों अपने घर-परिवार और लोगों को क्या जवाब देंगे।

संजय ने पहले अपने आप को संभाला और फिर काजल को शांत किया। कहने लगा कि मैं सब ठीक कर दूँगा। काजल रोते हुए बोली कि तुम क्या सब ठीक कर दोगे, तुमने मेरी जिंदगी बिगाड़ दी। संजय ने कहा कि हम हॉस्पिटल जाकर अबॉर्सन करवा देंगे। काजल अपने घर-परिवार और समाज के डर के कारण मान गई। दूसरेदूसरे दिन संजय और काजल हॉस्पिटल गये अबॉर्सन करवाने के लिए। हॉस्पिटल में संजय ने डॉक्टर साहब से कहा, “ये काजल है, मेरी गर्लफ्रेंड। हम एक-दूसरेदूसरे से बहुत प्यार करते हैं लेकिन प्यार में हमसे बहुत बड़ी गलती हो गयी है। सर, अगर हमारे घर-परिवार वालों को पता चला, तो हमारी बहुत बदनामी होगी। इसलिए, आप काजल का अबॉर्सन कर दीजिये, जितने पैसे लगेंगे, मैं दे दूँगा”। डॉक्टर ने कहा, “हम ऐसा काम नहीं करते”। लेकिन संजय और काजल बहुत गिड़गिड़ा रहे थे। डॉक्टर ने पुलिस वालों को फोन कर बुला लिया और कहा कि हमारे हॉस्पिटल में एक

लड़का आया है एक लड़की को लेकर, अबॉर्सन करवाने के लिए। पुलिस वाले आये और संजय और काजल को पुलिस स्टेशन ले गये और संजय पर भी राहुल जैसा ही केस बनाकर जेल के पिंजरे में डाल दिया, काजल को नाबालिग उम्र में अपने प्यार-मोहब्बत में फँसाकर शारीरिक संबंध बनाने और प्रेग्नेंट करने के गुनाह में।

दोस्तों, तुम्हें प्यार-मोहब्बत, इश्क करने के लिए सब सिखायेंगे... जैसे कि रोमांटिक फिल्में, Hot porn videos, Love Songs, दर्द भरे songs, दूसरेदूसरे लोगों को की Love story, तुम्हारे दोस्तों को किसी लड़की के साथ बातचीत करते देखना-सुनना, दूसरेदूसरे लोगों को प्यार-मोहब्बत करते देखना। लड़के-लड़कियों को मिलते-जुलते, रोमांस करते देखना तुम्हारे अंदर भी प्यार-मोहब्बत, इश्क का बीज बोने का काम करते हैं और तुम खुद भी कहीं-न-कहीं किसी से कैसे भी करके जाने-अनजाने में प्यार-मोहब्बत करना, इश्क-विश्क में उलझना। दोस्त, एक उम्र के बाद तुम्हारा खुद का शरीर भी प्यार-मोहब्बत को ढूँढ़ने के लिए तड़पेगा और ऊपर से ये मौसम... सावन का महीना, रिमझिम-सी बारिश, लड़कियों की अदायें, खूबसूरती... आज के जमाने में लड़के-लड़कियाँ एक चुम्बक की तरह हो गये हैं। उनको अलग-अलग रखना बहुत मुश्किल है। इसीलिए शायद जेल और कानून-कायदे बनाये हैं। एक लड़के को कैसी भी लड़की मिले, किसी अनजान शहर में, अनजान जगह पर, तो ऐसे लड़के सोचते हैं कि शायद हमें यहाँ इस पल में ऊपरवाले ने मिलाया है। उस लम्हे में ऐसे संजोग

को कुछ लड़के तकदीर मानते हैं और बाद में उनमें से ऐसे राहुल जैसे बहुत से लड़के फिर जेल में जाने के बाद पछताते हैं कि शायद हम उस लड़की से कभी मिले ही नहीं होते, तो अच्छा होता, ऊपरवाले ने हमें उस लड़की से मिलाया ही क्यों था। ये पहले ऊपरवाले का शुक्रिया अदा करेंगे ऐसी खूबसूरत लड़की मेरी जिन्दगी में लाने के लिए और बाद में उस खूबसूरत लड़की की वजह से जेल में जाने के बाद उपर वाले को कोसेंगे कि ऊपरवाले तूने मुझे ऐसी लड़की से क्यों मिलाया, जो मुझे नर्क जैसी जेल में ले आई। दोस्तों, तुम्हें प्यार-मोहब्बत, इश्क करने के लिए सब मिलकर मजबूर करेंगे और तुम खुद भी इतने मजबूर हो जाओगे प्यार-मोहब्बत, इश्क करने के लिए कि खुद को रोकना मुश्किल हो जाएगा लेकिन फिर भी दोस्तों, ऐसा प्यार-मोहब्बत, इश्क न करना कि तुम्हें जेल की दीवारों के अन्दर ले जाकर दफनाना पड़ जाये। न जाने कितने प्यार-मोहब्बत, इश्क के नशे में पागल आशिकों को जेल की बड़ी-बड़ी दीवारों के पीछे ले जाकर दफना दिया गया है और वो भी जिन्दा।

दोस्तों, तुम सिर्फ तुम्हारे दोस्त की ऐसे काम में मदद मत करना कि वो रास्ता जेल की तरफ ले जाये। दोस्तों, दोस्ती में मदद करने के लिए और दोस्ती निभाने के और भी रास्ते हैं और बहुत से अच्छे काम हैं जिसमें तुम्हारी मदद की जरूरत है। उन दूसरेदूसरे कामों में मदद करना, लेकिन तुम्हारे किसी भी दोस्त को लड़की लेकर भागने में मदद कभी मत करना, चाहे वो आपका कितना भी

पक्का और अच्छा दोस्त हो, फिर चाहे वो दोस्त आपका दोस्त रहे या न रहे। दोस्तों, मेरी ये बात हमेशा याद रखना... जो आपका सच्चा दोस्त होगा, वो आपको मुसीबत से दूर रखेगा और जो आपको मुसीबत में डालेगा, वो कभी भी आपका सच्चा दोस्त नहीं हो सकता। ऐसे लोग हमेशा दोस्ती के नाम पर तुम्हारा इस्तेमाल करेंगे टिशू पेपर की तरह। ऐसे दोस्त से तो दुश्मन अच्छे हैं। तुम्हारे किसी भी दोस्त के प्यार के लिए जेल के पिंजरे में जाकर सड़ना पड़ जाये, ऐसा काम मत करना। दोस्तों, मुझे पता है कि सच्चा दोस्त वही है, जो मुसीबत में काम आए, लेकिन जेल की एक कहावत है दोस्ती के लिये.... 'नादान की दोस्ती, जान का खतरा'। अजय नाम का एक लड़का भी उसके दोस्त को जाने-अनजाने में जेल के पिंजरे में लेकर आया था। अजय के दोस्त ने अजय को उसकी गर्लफ्रेंड को भगाने में पूरी मदद की थी। अजय के दोस्त को भी गुनाह में मदद करने के केस में गुनहगार साबित कर 10 साल की सजा सुनाई गई थी। ऐसे प्यार-मोहब्बत में मदद करने वाले न जाने कितने दोस्तों को उम्रकैद की भी सजा सुनाई गई है और न जाने कितने लड़के प्यार-मोहब्बत के नाम पर बलि चढ़ जायेंगे।

दोस्तों, एक बात बताना तो मैं भूल ही गया था। तुम्हें ये जानकर हैरानी होगी कि वो कौन-सी शक्ति है, जो एक लड़के को एक लड़की की ओर चुंबक की तरह खींचती है। पुरुष को लगता है कि एक स्त्री की खूबसूरती, मिलन की प्यास उसे स्त्री की और आकर्षित करता है। ये सच है लेकिन हिन्दू शास्त्र में और पुराणों में

लिखा है कि जब भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी बनाई, तो इस पृथ्वी पर पुरुष और स्त्री को जन्म देकर भेजा। लेकिन जब भगवान ने देखा कि मैंने पृथ्वी और स्त्री-पुरुष को समाज और कालचक्र को चलाने के लिए बनाये हैं लेकिन ये स्त्री-पुरुष तो पूजा-पाठ तपस्या में लीन हो गये हैं। उन्हें डर हुआ कि अगर स्त्री-पुरुष विवाह करके शारीरिक संबंध नहीं बनायेंगे, तो ये समाज और कालचक्र कैसे आगे बढ़ेगा। भगवान ब्रह्मा ने श्री हरि भगवान विष्णु से निवेदन किया कि हे भगवान! इस मुश्किल का हल निकालने में मेरी सहायता कीजिये। तब भगवान विष्णु ने कामदेव का अवतार लिया और माता लक्ष्मी ने रति का अवतार लिया और कामदेव और रति को आदेश दिया कि तुम्हें एक पुरुष और स्त्री के बीच 'काम' उत्पन्न करना है। दोस्तों, 'काम' यानि कि 'सम्भोग', 'शारिरिक मिलन होना'। तब से लेकर आज तक कामदेव और रति एक पुरुष और स्त्री को न चाहते हुए भी अपनी माया की शक्तियों से हर स्त्री-पुरुष को उत्तेजित कर प्रेमक्रीड़ा करवाते हैं और ये न चाहते हुए भी प्यार-मोहब्बत, इश्क में पड़ते हैं। ये सब योगमाया ही करवाती हैं और इसका बुरा फल मिले, तो राहुल जैसे लड़कों को ही भुगतना पड़ता है। इसलिए दोस्तों, आपको कामदेव और रति से बचना है, उनकी माया से बचना है कि कहीं कामदेव और रति की कामवासना, कामुकता, माया के प्रभाव में आकर तुमसे कुछ गलत न हो जाए और प्यार-मोहब्बत में पड़कर राहुल की तरह जेल में नर्क जैसी जिंदगी न जीनी पड़ जाये। दोस्तों, इस दुनिया में सबकुछ माया है।

प्यार-मोहब्बत, इश्क, ये सब माया के भ्रम में डूबने के साधन ओर रास्ते हैं। इस माया से बचना है, तो केवल सच्चा प्रेम ऊपरवाले से करो, वो कभी आपको माया जाल में फँसने नहीं देगा। दोस्तों, सच्चा प्रेम तो आत्मा से होता है। फिर चाहे तुम किसी से भी प्रेम करते हो, उसके जिस्म को पा सको या न पा सको, फिर भी प्रेम हो, तो वही सच्चा प्रेम है। जो लोग ये नहीं जानते, नहीं समझते, वो लोग राहुल की तरह प्यार-मोहब्बत में पागल होकर जेल में सजा भोगते रहे हैं।

राहुल के केस की कल कोर्ट में तारीख थी और प्रिया भी आने वाली थी कोर्ट में गवाही देने के लिए। राहुल देर रात सोच रहा था कि कल कोर्ट में प्रिया क्या गवाही देगी। राहुल को अभी भी अपने प्यार पर और प्रिया पर भरोसा था कि वो उसे यहाँ से, जेल के पिंजरे से आजाद करवा लेगी। राहुल अगले दिन सुबह नहा-धोकर, तैयार होकर, पूजा-पाठ करके कोर्ट जाने के लिए बेसब्री से इन्तजार कर रहा था। आज कोर्ट में प्रिया की गवाही पर ही राहुल के केस का फैसला जज साहब लेंगे कि राहुल को सजा देनी है या फिर इस जेल के पिंजरे से राहुल को आजाद कर देना है। सिपाही ने राहुल को बुलाया कोर्ट ले जाने के लिए। राहुल ने कोर्ट जाकर जज साहब को दोनों हाथ जोड़कर प्रणाम करके बैठा। राहुल का केस चलने से पहले दूसरेदूसरे कैदियों के भी केस चले और अब राहुल के केस चलाने का नंबर आया। राहुल के वकील ने प्रिया की गवाही लेने के लिए जज साहब से गुजारिश की कि प्रिया को कोर्ट के कटघरे में

बुलाया जाये। प्रिया को बुलाया गया। प्रिया कोर्ट के कटघरे में आकर खड़ी हो गई थी। राहुल ने बहुत दिनों बाद प्रिया को देखा था। प्रिया को वकील ने कहा कि आप कसम खायें अपने धर्म के भगवान की कि आप कोर्ट में जो कहेंगी, सच कहेंगी, झूठ नहीं। प्रिया ने ऊपरवाले की कसम खाई। राहुल के वकील ने प्रिया से पूछा कि क्या तुम और राहुल एक-दूसरेदूसरे से प्यार करते थे? प्रिया ने जवाब दिया - हाँ। राहुल के वकील ने दूसरा सवाल पूछा कि क्या तुम्हारे और राहुल के बीच जो शारीरिक संबंध बने थे, वो तुम्हारी मर्जी से बने थे? क्या तुम अपनी मर्जी से राहुल के साथ भागी थी? प्रिया ने जवाब दिया कि नहीं, मेरी मर्जी के बिना ही हमारे बीच संबंध बने थे। मैंने राहुल को बहुत बार शारीरिक संबंध बनाने से मना कर दिया था लेकिन राहुल ने मुझे उकसाकर, अपने प्यार-मोहब्बत के जाल में फँसाकर मेरे साथ मेरी मर्जी के बिना ही शारीरिक संबंध बनाये थे और मुझे बहला-फुसलाकर, अपने प्यार-मोहब्बत के जाल में फँसाकर मेरा माईनड वोस करके, मेरी नाबालिग उम्र का फायदा उठाकर अपने साथ भगाकर ले गया था। प्रिया के वकील ने जज साहब से कहा कि ये जो प्रिया नाम की लड़की है, इस प्रिया को राहुल नाम के आरोपी ने अपने झूठे प्यार-मोहब्बत के जाल में फँसाकर शारीरिक संबंध बनाये हैं और नाबालिग उम्र में बहला-फुसलाकर ब्रेन वॉश करके अपने साथ भगाकर ले गया था। इसलिए, ऐसे आरोपी को कड़ीसे-कड़ी सजा मिले, ये मेरी कोर्ट से गुजारिश है ताकि फिर किसी राहुल जैसे

लड़के की प्रिया जैसी नाबालिग लड़की को अपने प्यार-मोहब्बत में फँसाकर शारीरिक शोषण करने की हिम्मत न हो। जज साहब ने प्रिया की गवाही सुनी और दोनों वकीलों की दलीलें सुनकर राहुल के केस की नेक्स्ट तारीख दे दी। राहुल वापस जेल के पिंजरे में आ गया। बैरक में राहुल से सब कैदी पूछने लगे कि तेरी मोहब्बत प्रिया ने कोर्ट में क्या गवाही दी। राहुल खामोश था। राहुल के कानों तक जैसे किसी की अवाज नहीं पहुँच रही थी और न ही आँखों से कुछ दिख रहा था। राहुल एक सूखी लकड़ी की तरह हो गया था। राहुल की ये हालत देखकर बैरक के दूसरेदूसरे कैदी समझ गये थे कि राहुल की मोहब्बत ने दम तोड़ दिया है। प्रिया ने शायद अपने घर-परिवार वालों के डर से ऐसी गवाही दी होगी या फिर अपने भविष्य को देखकर ऐसी गवाही दी होगी या फिर शायद प्रिया समझी होगी कि राहुल ने उसे नाबालिग अवस्था में प्यार-मोहब्बत किया और इस्तेमाल किया। प्रिया ने ऐसी गवाही क्यों दी, ये तो प्रिया और ऊपरवाला ही जाने। राहुल भी यही सोच रहा था कि प्रिया ने ऐसी गवाही क्यों दी कोर्ट में। राहुल को इस दर्द से बाहर निकलने में कितना समय लगेगा ये तो समय ही जाने। प्रिया की गवाही सुनने के बाद राहुल को शायद पता चल ही गया था कि कोर्ट में उसके केस का क्या फैसला आयेगा। राहुल सोच रहा था कि मैंने जिस लड़की के लिए अपने माता-पिता, अपने दोस्त, अपने घर-परिवार, सगे-संबंधियों को, सबको छोड़ दिया, जिस प्यार के लिए अपने भविष्य की, जिंदगी की परवाह न करते हुए आँख-कान बंद करके प्रिया का

हाथ पकड़कर प्यार के रास्ते पर चल पड़ा था, उसी रास्ते ने मुझे जेल के पिंजरे में लाकर कैद करवा दिया। शायद अब राहुल के उपर से प्रिया का और प्यार-मोहब्बत का पूरा नशा उतर गया था, लेकिन बहुत देर हो गई थी।

दोस्तों, आपकी एक ट्रेन छूट जाये, बस छूट जाये, जिंदगी में चाहे कुछ भी छूट जाये, तो भी तुम उसे वापस पा कर सकते हो लेकिन जिंदगी में जिंदगी ही छूट जाये, तो आप कभी उसे वापस पा नहीं कर सकते। राहुल ने खुद को बहुत मुश्किल से समझाया था जेल में सजा भुगतने के लिए और समय बिताने के लिए, लेकिन प्रिया की गवाही ने राहुल को फिर से तोड़ दिया था। जेल के पिंजरे में राहुल जैसे बहुत से लड़के तो मानसिक रूप से पागल भी हो गये थे ऐसी गवाही और कोर्ट के फैसले सुनकर। जेल में सब लोगों के साथ होने के बाद भी राहुल जैसे लोग अकेले रहे जाते हैं। उन्हें अकेले ही हँसना-रोना पड़ता है। राहुल अपना दुःख-दर्द, तकलीफें किसी को बताना चाहता था। किसी के गले से लिपटकर रोना चाहता था । किसी की गोद में अपना सिर रखकर जी भर रोना चाहता था, लेकिन जेल के पिंजरे में ऐसा कोई नहीं था जो राहुल का दुःख-दर्द बाँट सके। जेल के पिंजरे में तो सबके अपने अपने दुःख-दर्द, अपनी तकलीफें होती हैं। एक-दूसरेदूसरे का दुःख-दर्द समझने के बाद भी वे एक-दूसरे का दुःख-दर्द बाँट नहीं सकते थे। जेल के पिंजरे में जाकर राहुल को सजा भुगतने में ऐसा लग रहा था कि जैसे पूरी दुनिया का बोझ उसके अकेले के सिर पर रख दिया

गया हो। राहुल जेल में बहुत अकेलेपन और तनाव से गुजर रहा था। राहुल के दिलो दिमाग में हजारों, लाखों सवाल थे लेकिन जवाब देने वाला कोई भी नहीं था। राहुल को खुद ही जवाब ढूँढ़ने थे । राहुल अब किसी से बात भी नहीं कर रहा था। दूसरेदूसरे दिन राहुल से मुलाकात करने के लिये उसके घर परिवार वाले आये जेल के मुलाकात रूम में। राहुल को बुलाया गया। राहुल एक जिन्दा लाश बन गया था। जब राहुल की ऐसी हालत देखी उसके घर परिवार वालों ने, तो बहुत दुखी होने लगे। राहुल से कहने लगे कि तेरी प्रिया ने तो कोर्ट में गवाही दे दी कि उसकी नाबालिग उम्र का तूने फायदा उठाया है। राहुल के मम्मी-पापा ने कहा कि राहुल बेटा, इस जेल के पिंजरे में सड़ने से अच्छा होता कि तू मर गया होता, तो कुछ दिन, कुछ महीने, कुछ साल हम रो लेते लेकिन जब तक तू इस जेल के पिंजरे में रहेगा, तब तक हम न शान्ति से जी सकते हैं और न मर सकते हैं। तू कभी बाहर एक जगह पर रुकता नहीं था। तू जब छोटा था, तब तू छोटी-मोटी चीजों के लिए रोता था। तब हम तेरे आँसू पोंछने के लिए वो चीज ला देते थे तेरे लिए। हमें लगा कि तू जब बड़ा हो जायेगा, तो ज़िद करना छोड़ देगा लेकिन हमें पता नहीं था कि तू प्यार के लिए इतनी बड़ी ज़िद करेगा और हमसे दूर हो जायेगा। तुझे हमने अपने खून से सींचा था, बेटा। जितना तू प्रिया से प्यार करता था, उससे कहीं ज्यादा प्यार हम तुझे करते हैं, बेटा। तूने जिंदगी में सिर्फ एक ऐसा काम किया होता कि हमें तुझपर नाज होता। राहुल के मम्मी-पापा ने राहुल से अपना

दुःख-दर्द बहुत सुनाया लेकिन राहुल के पास तो अपना दुःख-दर्द बयां करने के लिए न शब्द थे, न ही हिम्मत थी और न ही कोई सुनने वाला। उतने में ही मुलाकात का 15 मिनिट का समय खत्म हो गया। राहुल वापस अपनी बैरक में आकर अपने बिस्तर पर आकर बैठ गया। राहुल जैसे लोगों के पास शान्ति से बैठकर जेल में सोचने का समय बहुत होता है, लेकिन कुछ करने का नहीं। राहुल जैसे लोग जल्दबाजी में, जज्बातों में आकर फैसले लेते हैं और बाद में राहुल की ही तरह पछताते हैं। राहुल फिर से उसी दर्द से गुजर रहा था, जब वो पहली बार जेल के पिंजरे में आया था प्रिया की गवाही सुनने के बाद। राहुल की अब तो जेल के पिंजरे से छूटकर बाहर जाने की उम्मीद भी मर गई थी। दोस्तों, राहुल को अब उसके हाल पर छोड़ देते हैं और मैं आपको उसके हाल बताता हूँ।

दोस्तों, दुनिया में जितने भी बुरे नशे हैं और तुम अपनी जिंदगी में चाहे जितने भी नशे के शौक करो या फिर आदत बना लो, लेकिन उस नशे को और उन सब बुरी आदतों को अपने कन्ट्रोल में रखना। अगर तुम उन बुरी आदतों के और नशे के कन्ट्रोल में हो गये, तो तुम खुद अपनी आँखों से खुद को बर्बाद होते देखोगे, मगर कुछ कर नहीं पाओगे। इस दुनिया में सारे बुरे नशे के ईलाज हैं, मगर प्यार-मोहब्बत, इश्क के नशे का कोई ईलाज नहीं है। हो सकता है मेरी ये बुक शायद प्यार-मोहब्बत के नशे को उतारने की दवा बन जाये। जिन लड़कों को राहुल की तरह प्यार-मोहब्बत, इश्क का

नशा चढ़ा है या फिर जिन लड़कों को राहुल की तरह प्यार-मोहब्बत, इश्क का नशा चढ़ने वाला है, उन्हें इस बुक की मदद से उतारकर हो सकता है कि मैं उन्हें होश में ला सकूँ और उन प्यार-मोहब्बत में पागल आशिकों की जिंदगी बरबाद होने से बचा सकूँ। बस इतना ही मेरे लिए बहुत है।

राहुल सोच रहा था कि जज साहब मुझे इस केस से और जेल के पिंजरे से आजाद कर देंगे या फिर इस जेल के पिंजरे में सड़ने के लिए उम्रकैद की सजा देंगे। दोस्तों, हम जिसपर आँख बंद करके भरोसा करते हैं, जिसे हम अपनी जिंदगी मानते हैं, वही धोखा दे, तो क्या होता है, ये तो वही जाने जिसने अपनों से धोखा खाया हो। लेकिन राहुल ने इस 376 Love story में धोखा खाया है। दोस्तों, कहीं आप भी अपनी Love Story में धोखा न खायें, इस बात का ध्यान रखना। दोस्तों, मैं जानता हूँ कि जिंदगी में प्यार-मोहब्बत, इश्क बहुत जरूरी है, लेकिन प्यार-मोहब्बत, इश्क के बिना भी जिंदगी में बहुत कुछ है जीने के लिए। राहुल खुद पर बहुत गुस्सा था, अपने आप से बहुत नफ़रत करने लगा था। गलती वो होती है जिसे सुधारा जा सके और गुनाह वो होता है, जिसकी सजा मिले। राहुल को भी शायद प्यार में जाने-अनजाने में किये हुए गुनाहों की सजा मिलेगी या फिर माफी, ये तो अगले महीने की 21 तारीख को ही पता चलेगा क्योंकि उ दिन राहुल के केस का फैसला था कोर्ट में। दोस्तों, जब कोर्ट में जज साहब केस का फैसला सुनाते हैं, तो

पैरों तले से जैसे जमीन खिसक जाती है, इन्सान जिन्दा लाश बन जाता है।

और राहुल की 376 Love story का कल कोर्ट में फैसला था। राहुल ने रात कैसे गुजारी, ये तो राहुल ही जाने। सुबह होते ही वह कोर्ट जाने के लिए तैयार हो गया था। नहा-धोकर, पूजा-पाठ करके, अपना सारा कामकाज करके तैयार बैठा था वह। उसे डर भी बहुत लग रहा था, लेकिन उस डर को अपने चेहरे पर नहीं आने दे रहा था वो। दूसरेदूसरे कैदियों के साथ राहुल के नाम की पुकार लगाई गई कोर्ट ले जाने के लिए। राहुल को पुलिस वाले कोर्ट में जज साहब के पास ले गये। थोड़ी देर बाद जज साहब ने एक-एक करके कैदियों के केस चलाये कोर्ट में और थोड़ी देर बाद राहुल के केस का भी नंबर आ गया। जज साहब ने राहुल को उसके केस का फैसला सुनाया कि राहुल ने प्रिया नाम की नाबालिग लड़की को अपने प्यार-मोहब्बत, इश्क के जाल में फँसाकर उस लड़की के शरीर का शोषण किया है। उस नाबालिग लड़की को अपने प्यार-मोहब्बत के जाल में फँसाकर अपने साथ भगाकर ले जाने के गुनाह में सारे-सबूतों और गवाहों के मुताबिक ये कोर्ट राहुल को उम्र कैद की सजा सुनाती है। राहुल कोर्ट का फैसला सुनते ही रोने लगा, लेकिन उसके आँसू कोर्ट के फैसले को नहीं बदल सकते थे।

कोर्ट प्यार-मोहब्बत, इश्क के जज्बातों से नहीं चलता, सबूतों और गवाहों से चलता है। राहुल जैसे कितने लड़के 376 Love story के शिकार होकर उम्रकैद की सजा भुगत रहे हैं और न जाने कितने लड़के इस 376 Love story के शिकार होकर उम्रकैद की सजा भुगतेंगे। राहुल को वापस जेल में लाकर बंद कर दिया गया। राहुल बैरक में आकर बहुत रोने लगा। राहुल के केस का फैसला सुनकर उसके घर-परिवार वाले, दोस्त भी बहुत रोने लगे थे, जैसे कि राहुल की मौत की खबर सुनी हो। राहुल मर जाता, तो उसके घर-परिवार वाले पंद्रह दिन-एक महीना या फिर एक साल रोते, लेकिन अब तो उन्हें भी उम्र भर रोना होगा। राहुल सोच रहा था कि मैंने प्यार ही न किया होता, तो आज मुझे इस गुनाह की सजा न मिलती। राहुल को भी कल सुबह दूसरी जेल में शिफ्ट करना था। उस दर्द से फिर से गुजरना था। दोस्तों, हमें किसी रास्ते से गुजरते वक्त पैर में ठोकर लग जाये, दर्द-तकलीफ़ें मिलें, तो हम रास्ता ही बदल लेते हैं लेकिन राहुल तो अब न रास्ता बदल सकता है और न ही लोट सकता है। लेकिन दोस्तों, आपके पास अभी भी वक्त है, संभल जाओ।

मैं प्रिया जैसी नाबालिग लड़कियों से एक बात कहना चाहता हूँ कि तुमसे प्यार-मोहब्बत, इश्क निभाया न जाये... प्यार-मोहब्बत, इश्क में सब्र, धैर्य, इन्तज़ार, भरोसा, त्याग करने की ताकत न हो, तो ऐसी लड़कियों को प्यार-मोहब्बत, इश्क करने का कोई हक नहीं है। प्रिया जैसी नाबालिग लड़कियों की नादानी,

नासमझी की वजह से और राहुल जैसे लड़कों की नादानी, नासमझी की वजह से लाखों लड़कों की जिंदगी जवानी से ही जेल के पिंजरे में सड़ गई और न जाने ऐसे कितने प्यार-मोहब्बत, ईश्क करने वाले लोगों की जिंदगी जवानी से ही जेल के पिंजरे में सड़ती रहेगी। आज के जमाने में लड़कियों को लड़कों के पीछे घूमने की जरूरत नहीं है और न ही लड़कियों को लड़कों की हिफ़ाजत की। आज के जमाने की लड़कियाँ खुद अपनी और लड़कों की हिफ़ाजत कर सकती हैं। इतिहास गवाह है कि लड़कियों के लिए कितने लड़को ने अपने ही खून की नदियाँ बहा दीं, कितने सिर धड़ से अलग कर दिये

और कितने सिर कटवाकर के बलिदान कर दिये। मैं ये बात बहुत अच्छी तरह से समझ गया हूँ कि आज का समय और ये जमाना लड़कियों का है। पहले के जमाने में सिर्फ लड़कों के हाथ में ही फैसले थे। जमाना, भविष्य, देश की रक्षा करने का और लड़कियों की हिफ़ाजत करने की जिम्मेदारी थी और शायद बहुत सूरवीर लड़को ने ये सब पूरी निष्ठा से कर्म-धर्म से निभाया है। लेकिन आज के जमाने में इन सब जिम्मेदारियों का बोझ लड़कियों के और लडकों के कन्धों पर है। दोनों की जिम्मेदारी है। इसलिए, मैं प्रिया जैसी नाबालिग लड़कियों से एक बात कहना चाहता हूँ कि तुम अपनी नाबालिग उम्र में प्यार-मोहब्बत, इश्क के चक्कर में मत पड़ो। तुम्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि तुम्हारी वजह से किसी के बेटे, किसी के भाई, किसी के दोस्त की जिंदगी प्यार-

मोहब्बत, इश्क के नाम पर जेल के पिंजरे में सड़ न जाये। अगर तुम्हें सच में किसी से प्यार-मोहब्बत है, तो सब्र, धैर्य, इन्तज़ार करना अपने बालिग होने का और अपने घर-परिवार वालों को, अपने मम्मी-पापा को अपने प्यार के लिए कन्विंस करो, उन्हें समझायो, मनाओ।

सिर्फ लड़के ही तुम्हारे घर-परिवार वालों को प्यार-मोहब्बत में शादी के लिए मनाएँ, ये जरूरी तो नहीं है। तुम्हारी भी जिम्मेदारी है। और तुम्हारे घर-परिवार वाले न मानें, तो उस प्यार को, उस लड़के को भूल जाना, लेकिन अपने प्यार-मोहब्बत, इश्क और उस लड़के के लिए अपने घर से भागने की गलती मत करो क्योंकि तुम्हारी जैसी नाबालिग लड़कियों की नासमझी की वजह से किसी का बेटा, किसी का भाई, किसी का दोस्त जेल के पिंजरे में सड़ रहा होगा और सच में अगर कोई लड़का तुम्हारी नाबालिग उम्र का फायदा उठाता है, तो तुम उसे जेल के पिंजरे में कैद करवा सकती हो। अगर किसी लड़की के साथ किसी ने उसकी मर्जी के बिना गलत किया है, तो ऐसे इन्सान को सजा जरूर मिलनी चाहिए, लेकिन राहुल जैसे लड़कों को अपने प्यार-मोहब्बत के जाल में मत फँसाओ और न ही फँसने दो। लड़कियों को अब लड़कों की हिफ़ाजत करनी होगी।

दोस्तों, हर प्यार-मोहब्बत करने वाले दोस्तों की Love Story की एंडिंग अच्छी हो, फिर चाहे आपको प्यार-मोहब्बत में कामयाबी हासिल हो या न हो। आप जिससे भी बेइंतहां प्यार-मोहब्बत, इश्क करते हो, उससे दूर भी होना पड़े, तब भी अपनी Love Story की हैप्पी एंडिंग समझना। दोस्तों, तुम्हारी Love Story में, प्यार-मोहब्बत में तुम्हारे साथी को लेकर भागने की नौबत आ जाये, तो उस Love Story को वहीं पर सोच-समझकर अपने और अपने फ्यूचर और वो गलत कदम उठाने की सजा को याद कर और मेरी ये 376 Love Story बुक पढकर, महसूस कर अपनी उस Love Story को वहीं पर Happy एंडिंग कर देना। नहीं तो पुलिस वाले और जज साहब तुम्हारी उस Love Story की मौत से भी बदतर एंडिंग कर देंगे और तुम्हारी Love Story को 376 Love Story बना देंगे। 376 Love Story का मतलब तो तुम सब लोग मेरी ये 376 Love Story बुक पढकर समझ ही गये होगे कि रेपिस्ट, दुष्कर्मी, दुराचारी, बलात्कारी का तुम पर दाग-धब्बा लग जायेगा। अगर ऐसा गुनहगार बनने से बचना है तुम्हें, तो 'सोना, जानू, बेबी' से, लड़कियों से, प्यार-मोहब्बत, इश्क से जितना हो सके, उतना दूर रहना, मेरे दोस्त!